पेज : 2

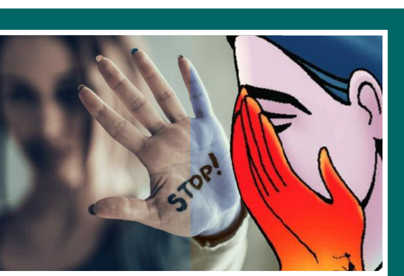

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक — सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शनिवार, 19 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 23 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

1700 शिकायतें मिलने के बाद बनाया है नया कानून

वक्फ ऐक्ट पर पीएम ने कहा-मुस्लिमों से ही हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 सैकड़ों शिकायतों के बाद लाया गया है, जिनमें मुस्लिम समुदाय के लोगों, विशेष रूप से महिलाओं और विधवाओं की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था में उत्पीड़न का शिकार हुए लोगों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने यह बात दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि 2019 में दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें विभिन्न मुस्लिम समुदायों से वक्फ संपत्तियों को लेकर 1700 से अधिक शिकायतें मिली थीं, जिससे सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा, नया कानून इन शिकायतों का जल्द समाधान करेगा और सबसे गरीबों का आशीर्वाद मिलेगा। मैं पहले से ही उन पीड़ितों के लिए लड़ रहा हूं, विशेष रूप से विधवाओं के लिए जिन्हें पुराने कानूनों ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। हमारा लक्ष्य उन्हें न्याय दिलाना है। प्रधानमंत्री ने दाऊदी बोहरा समुदाय के साथ अपने पुराने संबंधों का उल्लेख करते हुए उनकी समाजसेवा की परंपरा और इस अधिनियम में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस कानून पर उनकी शुरुआती चर्चाओं में सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला, जिसने इस विधेयक को आकार देने में अहम भूमिका निभाई।

कई जगह वक्फ कानून को लेकर भारी विरोध

हालांकि, वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर देश के कुछ हिस्सों में विरोध भी देखने को मिला है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कानून को 'मुस्लिम विरोधी' करार देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि यह कानून देश को बांटने वाला है और इसे लागू नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कानून का स्वागत करते हुए कहा कि यह वक्फ संपत्तियों से अमीर और प्रभावशाली मुस्लिमों द्वारा किए गए अतिक्रमण को खत्म करेगा। सुप्रीम कोर्ट में इस कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने विशेष रूप से 'वक्फ-बाय-यूजर' श्रेणी को हटाने, गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करने और संपत्ति के स्वामित्व का निर्धारण करने के लिए राज्य को दी गई शक्तियों पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल उच्चतम न्यायालय ने पांच मई तक 'वक्फ बाय यूजर' समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करने का निर्देश दिया है।

पहले खुद के गिरेबां में झांक लो,फिर दिखाओ आईना

- बंगाल हिंसा पर ज्ञान दे रहे बांग्लादेश को भारत की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश को फटकार लगाते हुए कहा है कि पड़ोसी देश को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जहां जघन्य अपराधों के दोषी आजाद घूम रहे हैं। बता दें कि बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के विरोध में हुई हिंसक झड़पों ने राज्य में तनाव बढ़ा दिया है। इन प्रदर्शनों के दौरान कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हिंसा के बाद केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए तैनात किया गया है। इस बीच, बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा पश्चिम बंगाल की घटनाओं पर की गई टिप्पणियों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। बांग्लादेश ने भारतीय अधिकारियों से अशांति से प्रभावित अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदायों की रक्षा करने का आह्वान किया था।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

- अभी जारी नहीं होंगे नतीजे,2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा,चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्द्रपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

तलाशी के दौरान रोका तो छीनने लगा हथियार

- जम्मू-कश्मीर के राजौरी में युवक की जवानों संग झड़प

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना के जवानों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। इंडियन आर्मी की ओर से बताया गया, सेना को आतंकवादियों की संभावित गतिविधियों की सूचना मिली थी जो इस संवेदनशील इलाके में एक गाड़ी में घूम रह थे। इसके तुरंत बाद, तलाशी अभियान शुरू किया गया। शुरुआती जानकारी से पता चला कि रोकने पर एक व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात सैनिकों के हथियार छीनने की कोशिश की। इस दौरान उनके साथ झड़प हो गई। सेना का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। अगर कोई व्यक्ति गलत आचरण का दोषी पाया जाता है, तो मौजूदा कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिनों पहले, कठुआ में हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया था। एक अधिकारी ने बताया,पिछले एक महीने में कठुआ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच 4 मुठभेड़ हुई हैं। राजबाग मुठभेड़ से हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध जैसे भंडार के अलावा मादक पदार्थ बरामद हुए। इससे यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवादियों ने बड़ी योजना बनाई थी। गौरतलब है कि मुठभेड़ में 2 आतंकवादी मारे गए जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के 4 जवान भी शहीद हो गए थे।

स्टालिन का अमित शाह पर निशाना, कहा- दिल्ली के सामने नहीं झुकेगा तमिलनाडु, हम कंट्रोल से बाहर...

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि नीट, तीन-भाषा पॉलिसी, वक्फ संशोधन कानून और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना ध्यान भटकाने की कोशिश नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने अमित शाह को चुनौती देते हुए कहा कि अगर डीएमके वास्तव में ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, तो अमित शाह को इन मुद्दों पर तमिलनाडु की जनता को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

स्टालिन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि चाहे वह नीट हो या तीन-भाषा नीति, या फिर वक्फ कानून संशोधन और परिसीमन का मसला इन सभी पर सिर्फ हम ही मुखर हैं। क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है? उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है। स्टालिन ने कहा कि सिर्फ अमित शाह ही नहीं, बल्कि कोई भी शाह तमिलनाडु पर राज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कहा तमिलनाडु दिल्ली के कंट्रोल से बाहर है। साथ ही कहा कि हम आपके द्वारा कानूनी रूप से पैदा की गई सभी बाधाओं को तोड़ देंगे।

2026 में केवल द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी

कार्यक्रम के दौरान सीएम स्टालिन ने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि वे 2026 में यहां सरकार बनाएंगे, लेकिन मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि तमिलनाडु दिल्ली के सामने नहीं झुकेगा। छापेमारी करने, पार्टियों को तोडने और सरकार बनाने का आपका फॉर्मूला तमिलनाडु में काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि 2026 में केवल द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी, हम दिल्ली के लिए हमेशा नियंत्रण से बाहर हैं। क्या आप (बीजेपी) यहां किसी को धमकाकर और गठबंधन बनाकर जीत सकते हैं? आप जिसे लाने चाहें ला सकते हैं, हम भी देखते हैं। स्टालिन ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आपने तमिल का अपमान कैसे किया? क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिल को असभ्य नहीं कहा था और क्या इसके लिए उन्होंने माफ़ी नहीं? इससे पहले एक अन्य केंद्रीय मंत्री ने तमिल को बम विस्फोटों में शामिल बताया और क्या माफ़ी मांगी? क्या आपने (अमित शाह) और प्रधानमंत्री ने ओडिशा में ये नहीं कहा था कि पुरी जगन्नाथ मंदिर की चाबियां चुरा ली गई हैं और तमिलनाडु में छिपा दी गई हैं? स्टालिन ने कहा कि आपने फूट डालो और राज करो नीति अपनाई। जबकि एक तमिल आईएएस अधिकारी नवीन पटनायक के साथ थे और पूछ रहे थे कि तमिल कैसे ओडिशा पर शासन कर सकता है?

हम झुकने वाले गुलाम नहीं

तमिलनाडु के सीएम ने कहा कि आप अपने गठबंधन में बिना आत्मसम्मान वाले लोगों और विश्वासघातियों का उपयोग करके शासन करना चाहते हैं, लेकिन इतिहास पढ़ें, हमारी भूमि आत्मसम्मान, बहादुरी और गौरव से भरी हुई है। हम जानते हैं कि आप हमें धमकाने के लिए क्या-क्या इस्तेमाल करेंगे, लेकिन हम झुकने वाले गुलाम नहीं हैं।

नेशनल हेराल्ड मामला: अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 18 अप्रैल (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेशनल हेराल्ड अखबार मामले में कांग्रेस पार्टी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इसे कांग्रेस का 'भ्रष्टाचार मॉडल' करार दिया।

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने 90 करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर यंग इंडियन कंपनी को मात्र 50 लाख रुपये में ही 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति हस्तांतरित कर दी। ठाकुर ने सवाल उठाया कि क्या कोई राजनीतिक दल इस तरह कर्ज दे सकता है और अगर कर्ज दिया गया तो क्या उस पर ब्याज लिया गया?

ठाकुर ने कहा कि नेशनल हेराल्ड, जो पहले एक दैनिक अखबार था, अब नियमित रूप से प्रकाशित नहीं होता। फिर भी, कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारें इसे भारी मात्रा में विज्ञापन दे रही हैं। उन्होंने अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े दैनिक अखबारों को कम राशि मिलती है, जबकि नेशनल हेराल्ड को ÷चांदी के सिक्के' दिए जाते हैं। उन्होंने पूछा, 'क्या यह अखबार कांग्रेस का एटीएम बन गया है?'

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट का हवाला देते हुए ठाकुर ने कहा कि इसमें अपराध की तारीख, समय, स्थान और लेनदेन से जुड़े तथ्य दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्य जनता के टैक्स के पैसे से नेशनल हेराल्ड को विज्ञापन के रूप में धन दे रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और अन्य शहरों में अखबार को सब्सिडी दरों पर दी गई अरबों रुपये की संपत्तियों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इनका किराया उचित रूप से लिया जा रहा है या यह भी फर्जी है?

ठाकुर ने कांग्रेस पर वादाखिलाफी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने न महिलाओं को वादा किया पैसा दिया, न कर्मचारियों को डीए की किश्त, और न ही गोबर या दूध खरीदने के वादे पूरे किए। फिर भी, नेशनल हेराल्ड को विज्ञापन के लिए धन देने में कोई कमी नहीं की जा रही। उन्होंने यंग इंडियन कंपनी पर निशाना साधते हुए कहा कि इसमें कांग्रेस के दो पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों की 76 फीसदी हिस्सेदारी है।

ठाकुर ने पूछा कि अगर कर्ज माफ करना ही था, तो नेशनल हेराल्ड की मूल कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का कर्ज क्यों नहीं माफ किया गया? उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 1000 से अधिक शेयरधारकों के हितों का क्या हुआ? ठाकुर ने मांग की कि जनता को बताया जाए कि कांग्रेस शासित राज्यों ने नेशनल हेराल्ड को कितना और कब-कब विज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि एक गैर-नियमित अखबार को इतना विज्ञापन देना और दैनिक अखबारों को कम राशि देना कांग्रेस के 'भ्रष्टाचार मॉडल' को दर्शाता है।

भारतीय छात्रों का वीजा रद्द, क्या जयशंकर मार्को रूबियो के सामने यह मुद्दा उठाएंगे

-कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश का सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बताया कि अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ (एआईएलए) का दावा चिंताजनक है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के वीजा निरस्तीकरण मामलों में 50 फीसदी भारतीय छात्रों से जुड़े हैं।

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि क्या विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रूबियो के साथ बातचीत में इस मुद्दे को उठाएंगे?

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया,''अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ द्वारा जारी किया गया बयान भारत के लिए चिंता का विषय है। संगठन द्वारा अब तक एकत्र किए गए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के 327 वीजा रद्द मामलों में से 50 प्रतिशत छात्र भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि वीजा रद्द करने के कारण असंगत और अस्पष्ट हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने पूछा कि क्या विदेश मंत्री मामले को संज्ञान में लेकर अपने अमेरिकी समकक्ष के सामने यह मुद्दा उठाएंगे? विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका में स्थित भारतीय मिशन वीजा रद्द करने संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे भारतीय छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्हें यथासंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

बनाई नई रणनीति: बांग्लादेश के नफरत को प्रेम से जीतेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के नए आका मोहम्मद यूनुस भारत संग दुश्मनी निभाने का कोई कसर नहीं छोड़ रहे। बांग्लादेश लगातार भारत विरोधी चाल चल रहा है। कारोबार को लेकर भी बांग्लादेश तेवर दिखा रहा है। दूसरी ओर वह पाकिस्तान संग गलबहियां करने की कोशिश में जुटा है। भारत के लिए यह चिंता का सबब बना हुआ है। बावजूद इन सबके भारत बड़ा दिल दिखाएगा। वह बांग्लादेश को जैसे को तैसा वाली नीति से जवाब नहीं देगा। सूत्रों का कहना है कि भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि अभी वह बांग्लादेश पर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं करेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत को ढाका में कारोबार को लेकर दिख रहे विरोधी तेवरों पर चिंता है। हालांकि, भारत फिलहाल 'जैसे को तैसा' वाली नीति पर नहीं चलेगा। भारत संग कारोबारी रिश्ता खराब करने की कोशिश के बीच बांग्लादेश का पाकिस्तान के प्रति प्रेम भी बढ़ रहा है। एक तरफ जहां अंतरिम सरकार भारत के साथ व्यापार सीमित करने की सोच रही है,

वहीं दूसरी ओर उसने पाकिस्तान के साथ सीधा व्यापार फिर से शुरू कर दिया है। बांग्लादेश फरवरी में ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के जरिए पाकिस्तान से 50,000 टन चावल खरीदने को राजी हुआ था। पाकिस्तान के साथ ढाका के संबंधों का फिर से शुरू होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। भारत पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र मानता है। माना जा रहा है कि शुरुआत में पाकिस्तान बांग्लादेश को अपने निर्यात को बढ़ावा देने के मौके तलाश रहा है। दशकों बाद दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संपर्कों में जबरदस्त तेजी आई है। पाकिस्तान की विदेश सचिव आयशा बलोच गुरुवार को ढाका के दौरे पर जाने वाली हैं और अगले हफ्ते विदेश मंत्री इसहाक डार ढाका जाएंगे। ऐसे में भारत की भी नजर रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से पूछा- दरगाह गिराने का नोटिस आया तो तत्काल सुनवाई क्यों नहीं हुई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया है। देश शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट से पूछा कि दरगाह गिराने का नोटिस आया तो तत्काल सुनवाई क्यों नहीं हुई? स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा कि नासिक नगर निगम द्वारा सतपीर दरगाह के खिलाफ जारी विध्वंस नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध क्यों नहीं किया गया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि धार्मिक संरचना के विध्वंस की आशंका के कारण यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा, हमें समझ नहीं आ रहा कि 9 अप्रैल से अब तक क्या हुआ। याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि वे हर दिन मामले को सूचीबद्ध करने की कोशिश कर रहे थे। कोर्ट ने इस असामान्य स्थिति के कारण विध्वंस पर रोक लगाने का असाधारण कदम उठाया। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को रिट याचिका की लिस्टिंग के बारे में एक रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि वे इस याचिका की सूचीबद्धता के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को निर्धारित की गई है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विध्वंस जैसे मामलों में तत्काल सुनवाई जरूरी होती है, क्योंकि देरी से अपूरणीय क्षति हो सकती है।

क्या थी याचिका? सतपीर दरगाह नासिक के काठे गली क्षेत्र में स्थित है। यह लंबे समय से विवादों के केंद्र में रही है। नासिक नगर निगम ने 1 अप्रैल 2025 को इस धार्मिक संरचना को अनधिकृत घोषित करते हुए विध्वंस नोटिस जारी किया था। इसके खिलाफ दरगाह के पक्षकारों ने 8 अप्रैल को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी और 9 अप्रैल से इसे तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की कोशिश की थी। हालांकि, याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट ने इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया, जिसके कारण उन्हें शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।नासिक नगर निगम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए बुधवार तड़के सतपीर दरगाह को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान काठे गली क्षेत्र में हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए और तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक के अनुसार, दरगाह के ट्रस्टी मंगलवार रात से ही संरचना को हटाने की प्रक्रिया में शामिल थे, लेकिन उस्मानिया चौक से एक भीड़ ने पुलिस और

स्थानीय नेताओं पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस ने इस हिंसा के सिलसिले में 15 लोगों को हिरासत में लिया है और प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। क्षेत्र में स्थिति अब शांत लेकिन तनावपूर्ण बताई जा रही है।

बंगाल में लग सकता है राष्ट्रपति शासन ?

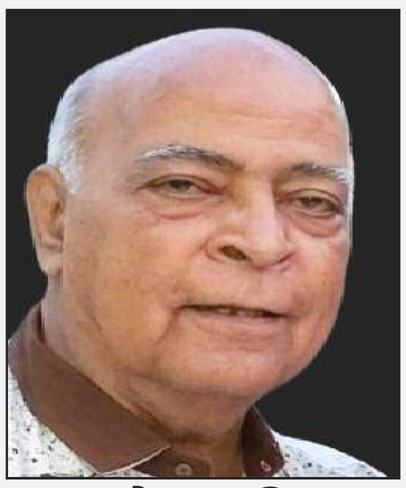

अशोक भाटिया

यह सिर्फ एक हिंसक घटना नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति, कानून-व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं के बीच जारी रस्स-कशी की एक और कड़ी बनती जा रही है। बंगाल में हिंसा नई बात नहीं। कभी महिलाओं को सरे आम सड़क पर पीटा जाता है। तो कहीं पंचायत के कुछ लोग 'कंगारू कचहरी' लगातर इंसाफ करते है। लॉ एंड ऑर्डर पर लगातार उठ रहे सवालों के बीच राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने की अटकलें लग रही हैं।

जब लोकतंत्र के चौराहे पर धुएं की लकीरें उठने लगें और सन्नाटा बाजारों में पसरे, तो समझिए कि कहीं कुछ बहुत गलत घट रहा है। पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला इन दिनों ऐसी ही बेचैनी से गुजर रहा है। सुती, समसेरगंज, धुलियान और जंगीपुर की गलियों में खामोशी है, लेकिन ये खामोशी सिर्फ सन्नाटा नहीं, एक गहरे तनाव की आहट है। शुक्रवार (11 अप्रैल) से शुरू हुई हिंसा में अब तक तीन लोगों की जान जा चुकी है, और कई घायल हैं। इंटरनेट ठप है, दुकानें बंद हैं, और सुरक्षाबल हर मोड़ पर तैनात हैं। इलाके में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है झ पर क्या सिर्फ बंदूकों और बैरिकेड्स से भरोसे की बहाली हो सकती है? यह सिर्फ एक हिंसक घटना नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति, कानून-व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं के बीच जारी रस्साकशी की एक और कड़ी बनती जा रही है। बंगाल में हिंसा नई बात नहीं। कभी महिलाओं को सरे आम सड़क पर पीटा जाता है। तो कहीं पंचायत के कुछ लोग 'कंगारू कचहरी' लगातर इंसाफ करते है। लॉ एंड ऑर्डर पर लगातार उठ रहे सवालों के बीच राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने की अटकलें लग रही हैं। बीजेपी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रही है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस दिल्ली आकर रिपोर्ट दे चुके हैं। बोस ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अलावा देश के गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की है इसके बाद चर्चा तेज हो गई कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। कांग्रेस, TMC या अन्य किसी विपक्षी दल शासित राज्य में बलात्कार की वारदात हो तो बीजेपी के नेता सुबह शाम उस प्रदेश को मुख्यमंत्री को कोसते हुए इस्तीफा मांगने लगते हैं। ठीक उसी तरह जब बीजेपी शासित राज्य में बलात्कार की कोई घटना होती हो तो उसी तर्ज पर विपक्ष उस मामले को इश्यू बनाकर एकजुट हो जाता है। ऐसे में इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि सभी दलों के नेता अपने अपने राज्यों में हुई हैवानियत पर सियासी नफे नुकसान के हिसाब से चुप्पी साध लेते हैं। वहीं राष्ट्रपति की राय पब्लिक डोमेन में आने के बाद अटकले लग रही है कि क्या ममता दीदी की कुर्सी छीन ली जाएगी और उनकी सत्ता जाने वाली है? यह सबसे बड़ा सवाल दिल्ली से लेकर बंगाल तक हर किसी के दिमाग में तेजी से घूम रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर आक्रोश जाहिर करने के साथ ही इस पर अंकुश लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि ह्यबस! बहुत हो चुका। अब वो समय आ गया है कि भारत ऐसी ह्यविकृतियों के प्रति जागरूक हो और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम और कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। राष्ट्रपति देश की प्रथम नागरिक हैं। भारत की सेना की सर्वोच्च कमांडर हैं। वो एक महिला हैं। देश की हर बेटी उनमें अपनी मां की छवि देखती है। ऐसे में कोलकाता कांड पर राष्ट्रपति के बयान से मामले की गंभीरता और गहराई को समझा जा सकता है। एक दशक से अधिक समय से विपक्ष में बैठी कांग्रेस के नेता बीते 10 सालों से ये कहते नहीं थक रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ भी नया नहीं किया। देश में जो कुछ हुआ कांग्रेस पार्टी ने किया। नेहरू-गांधी परिवार ने किया। उनकी नीतियों ने किया। मोदी जो कर रहे हैं वो कांग्रेस का विजन था। उसका सपना कांग्रेस नेताओं ने देखा था। इसके बाद बीजेपी नेता अपनी सरकार के कामकाज गिनाते हुए कांग्रेस के आरोपों का काउंटर करते हैं। अब समझने की बात ये है कि कांग्रेस ने भारत में अपने लंबे शासन काल में कई राज्य सरकारों को राष्ट्रपति शासन लगाकर बर्खास्त किया था। अब कांग्रेस नेताओं की उस बात पर गौर करें जिसमें वो कहते हैं कि बीजेपी और मोदी, कांग्रेस के कामों को कॉपी-पेस्ट कर रहे हैं। तो क्या बीजेपी, अब बंगाल का किला ढहाने के लिए उसी अस्त्र का इस्तेमाल तो नहीं करने जा रही, जिससे कांग्रेस पार्टी की पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने कई राज्यों में विपक्ष की सरकारों को वहां की कानून व्यवस्था संभालने के नाम पर गिरा दिया था। शायद यही डर 'दीदी' यानी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगने लगा होगा कि जिस तरह बीजेपी नेता, टीएमसी की सरकार को गिराने की बात कर रहे हैं उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, ऐसे में महिला राष्ट्रपति की राय को आधार बनाकर कहीं केंद्र की सरकार आर्टिकल 356 का इस्तेमाल करके उनकी सरकार तो नहीं गिरा देगी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 355 और अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। अनुच्छेद 355 केंद्र सरकार को राज्यों को बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से बचाने की ताकत देता है। अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति को ये शक्ति प्राप्त है कि वो राज्य में संवैधानिक तंत्र के असफल या कमजोर पड़ जाने पर राज्य सरकार की शक्तियों को अपने अधीन ले सकता है।

संविधान एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिस भी सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है उसके पास कोर्ट जाने का विकल्प हमेशा मौजूद है। पहले भी कोर्ट में राष्ट्रपति शासन लगाने के केंद्र के फैसलों को कोर्ट पलट चुका है। आखिरी बार 2017 में उत्तराखंड में भी ऐसा हो चुका है। तब कोर्ट ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के फैसले को पलटकर हरीश रावत सरकार को बहाल कर दिया था। ममता की बंगाल में जिस तरह की छवि है उससे वो कोर्ट के साथ जमीन पर भी लड़ाई शुरू कर सकती हैं। राज्य में पद यात्रा या धरने और रैलियां करके ये संदेश जनता तक पहुंचाने की कोशिश कर सकती हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ। गौरतलब है कि बंगाल में आखिरी बार 29 जून 1971 को राष्ट्रपति शासन लगा था। नई विधानसभा के गठन के बाद 20 मार्च 1972 को राष्ट्रपति शासन हटा था।

कुल मिलाकर बंगाल में अब तक चार बार राष्ट्रपति शासन लग चुका है। पहली बार 1 जुलाई 1962 को नौ दिन के लिए, दूसरी बार 20 फरवरी 1968 में करीब एक साल के लिए और तीसरी बार 19 मार्च 1970 में करीब एक साल के लिए राष्ट्रपति शासन लगा था। सत्ता, सेवा का साधन है या कुछ और? इस सवाल पर नेताओं की अपनी अलग-अलग राय और दृष्टि हो सकती है।

राहुल गांधी ने एक सियासी किस्सा सुनाते हुए कभी कहा था - 'सत्ता जहर होती है।' ऐसे में जब बंगाल का मामला तूल पकड़ रहा है, तो एक बार फिर सत्ता को गिराने वाली ताकत की चर्चा तेजी हो गई है। धयान देने वाली बात यह भी है कि 1994 में आए सुप्रीम कोर्ट के एस।आर। बोम्मई बनाम भारत संघ फैसले ने अनुच्छेद 356 के उपयोग की सीमाएं तय कर राखी है ।

कोर्ट ने साफ किया कि इस प्रावधान का इस्तेमाल सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है और यह न्यायिक समीक्षा के अधीन रहेगा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सामान्य प्रशासनिक असफलता या कानून-व्यवस्था की समस्या राष्ट्रपति शासन का पर्याप्त आधार नहीं हो सकती। साथ ही, धर्मनिरपेक्षता संविधान की मूल भावना है और इसे कमजोर करने के नाम पर अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

अब मुर्शिदाबाद की हिंसा और उसके बाद उठी राजनीतिक मांगों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। हालांकि, राष्ट्रपति शासन जैसी बड़ी संवैधानिक कार्रवाई के लिए सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी या क्षेत्रीय हिंसा पर्याप्त नहीं है। संविधान और सुप्रीम कोर्ट की व्याख्या के अनुसार, जब तक राज्य सरकार स्पष्ट रूप से संविधान के अनुरूप कार्य नहीं कर पा रही है, तब तक अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल "अंतिम उपाय" के तौर पर ही किया जा सकता है।

संपादकीय

उर्दू और हिन्दी

अमृता आर. पंडित

महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड. पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता को गंगा-जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वास्तव में भाषा को बदनाम करना भारत की विविधता और बहुलतावादी सामाजिक संरचना को कमजोर करता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं है। इसी धरती पर पैदा हुई है और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता को न भाषाओं की समझ है, और न ही उर्दू और हिन्दी के उद्भव और विकास के बारे में कोई जानकारी है। सबसे पहली बात तो यह है कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है जिनमें उर्दू भी एक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में उर्दू शासकीय भाषा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हकीकत यह है कि हिन्दी भाषा का इस्तेमाल भी उर्दू शब्दों के बिना अधूरा है। हिन्दी शब्द स्वयं फारसी शब्द 'हिंदवी' से आया है। वास्तव में भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करती हैं। हिन्दी और उर्दू में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खड़ी बोली से विकसित हुई हैं। दोनों के व्याकरण और शब्दावली में काफी समानता है। लेकिन दोनों भाषाओं की लिपियां अलग-अलग हैं। हिन्दी देवनागरी में लिखी जाती है जबकि उर्दू की लिपि अरबी है। अंग्रेजों के समय में हिन्दी और उर्दू का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और दुर्भाग्य यह है कि यह गलतफहमी आज भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मसले पर फैसला सुनाते हुए बहुंत ही मार्मिक अंदाज में कहा कि 'हमें अपने पूर्वाग्रहों की सच्चाई से टकराने की जरूरत है। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।' दरअसल, याचिकाकर्ता का तर्क था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड.पर उर्दू का इस्तेमाल गलत है। अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि मराठी का उपयोग अनिवार्य है, लेकिन उसके साथ अन्य भाषा के इस्तेमाल पर रोक नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

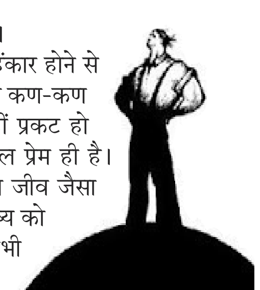

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुखदुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए। कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए। गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी। मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

नैतिक मूल्यों का क्षरण से महिलाओं परता दुष्प्रभाव

ज्योति सिंह

आज के समय में नैतिक मूल्यों का क्षरण समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। आधुनिकता और भौतिकवाद की अंधी दौड़ ने मानव जीवन से संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे मूलभूत तत्वों को पीछे धकेल दिया है। इसका असर न केवल व्यक्ति के आचरण पर पड़ा है, बल्कि समाज की संरचना और विकास प्रक्रिया पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है। इस नैतिक अवमूल्यन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं की स्थिति पर देखने को मिलता है। वे आज भी कई स्तरों पर असमानता, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही हैं। जबकि सरकार द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री महिला शक्ति केंद्र जैसी योजनाएँ चलाई जा रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश करती है। बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा और शिक्षा से वंचन जैसी समस्याएँ आज भी ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मौजूद हैं। कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध न केवल हमारी कानूनी व्यवस्था बल्कि सामाजिक सोच पर भी सवाल उठाते हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी सीमित है। संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व नगण्य है। महिला आरक्षण विधेयक वर्षों से लंबित पड़ा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नीति निर्धारण में महिलाओं की हिस्सेदारी को लेकर अभी भी गंभीरता नहीं है। यह असमानता समाज में सामाजिक असंतुलन, अपराध और असंतोष को जन्म देती है। नैतिक मूल्यों की गिरावट और महिलाओं की उपेक्षा, दोनों मिलकर देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति को बाधित करते हैं। जब आधी आबादी पीछे रह जाती है, तो संपूर्ण विकास की कल्पना अधूरी रह जाती है। हमें समाज में नैतिकता की पुनर्स्थापना के लिए शिक्षा प्रणाली में नैतिक शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। बच्चों में बचपन से ही समानता, सहिष्णुता और संवेदनशीलता के मूल्य विकसित किए जाएँ। महिलाओं की शिक्षा, स्वावलंबन और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देना होगा ताकि वे आत्मनिर्भर बनें और अपने अधिकारों के लिए मुखर हो सकें। कानूनों का कड़ाई से पालन और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक है। न्याय में देरी, अन्याय के समान है। साथ ही, महिला आरक्षण विधेयक को जल्द से जल्द पारित कर राजनीतिक स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को सशक्त करना होगा। नीति निर्माण में जब महिलाएँ होंगी, तब ही उनके हित में ठोस नीतियाँ बनेंगी। जन-जागरूकता अभियानों के जरिए समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। जब समाज महिलाओं को सम्मान और समान अवसर देगा, तभी सच्चे लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। जब तक महिलाएँ सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होंगी, तब तक समाज और देश की प्रगति अधूरी रहेगी।

नैतिकता और महिला सशक्तिकरण एक-दूसरे के पूरक हैं। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है। हमें यह समझना होगा कि एक सशक्त महिला ही एक सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की निमार्ता बन सकती है। यही हमारे विकास की सच्ची दिशा और दशा तय करेगा।

कानून, संविधान और संयम

राजेश श्रीवास्तव

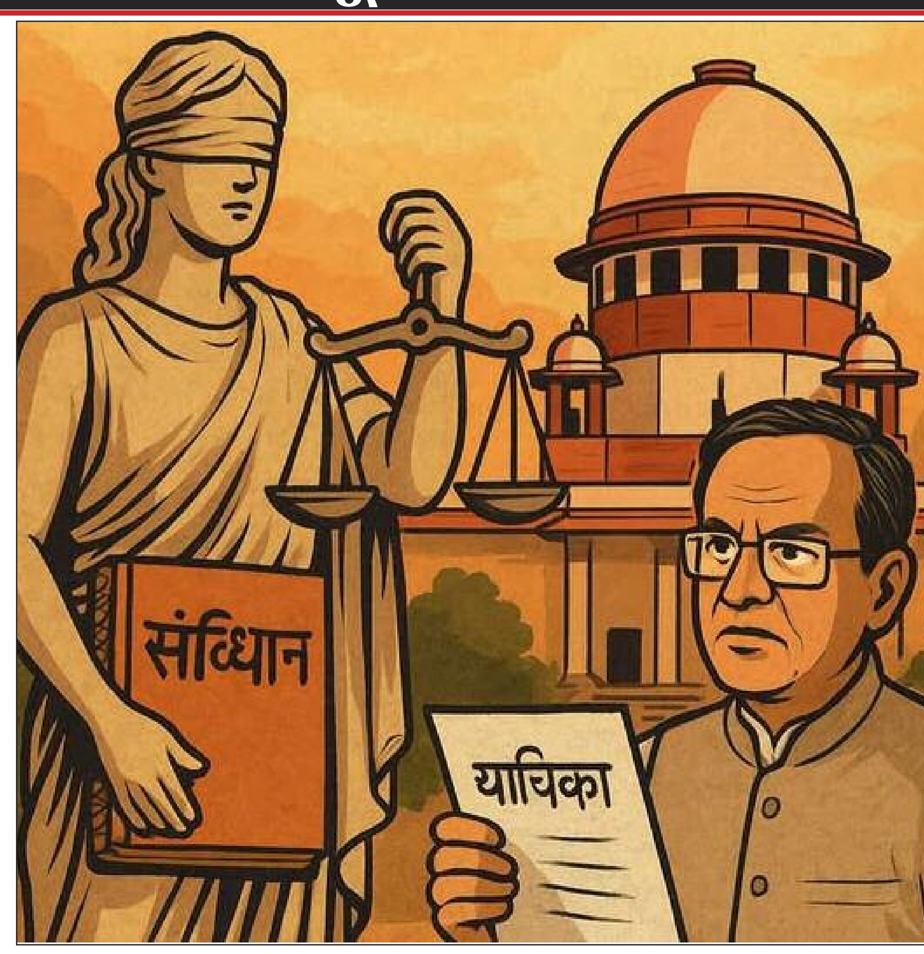

देश की सर्वोच्च अदालत में वक़्फ अधिनियम की वैधता को लेकर सुनवाई चल रही है। यह स्वाभाविक है कि किसी कानून की संवैधानिकता जब न्यायिक कसौटी पर कसी जाती है, तब जनचर्चा भी होती है। परंतु जब यह चर्चा तथ्यहीन, पूर्वग्रहपूर्ण और विद्वेषजनक हो जाए, तब यह न केवल लोकतांत्रिक मयार्दाओं का हनन करती है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा पर भी आघात करती है। हाल के दिनों में यह देखा गया कि जब कुछ सांसदों ने वक़्फ अधिनियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, तो सोशल मीडिया पर कुछ प्रभावशाली लोगों ने यह प्रचारित करना शुरू कर दिया कि संसद के सदस्य को संसद द्वारा पारित कानून पर सवाल उठाने का कोई नैतिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है। यह दृष्टिकोण न केवल विधिक अज्ञानता का द्योतक है, बल्कि संविधान के प्रति सम्मान की कमी का भी।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 32 प्रत्येक नागरिक को यह मूल अधिकार प्रदान करता है कि वह अपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में सीधे सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकता है। यह अधिकार सांसदों सहित सभी नागरिकों के लिए समान है। संसद सदस्य होने के नाते कोई भी व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत या व्यापक जनहित की चिंता को लेकर अदालत में याचिका दाखिल कर सकता है—यह उनके संवैधानिक अधिकार का हिस्सा है, न कि अनुशासनहीनता का प्रतीक।

इतिहास में भी सांसदों द्वारा याचिकाएँ दायर कर कानूनों को न्यायिक जांच के लिए प्रस्तुत करने के कई उदाहरण हैं। आधार अधिनियम, 2016 को जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने इस अधिनियम को ह्यधन विधेयकह्न के रूप में पारित किए जाने की वैधता पर सवाल उठाया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ), 2019 के विरुद्ध कई सांसदों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इन सभी मामलों में न्यायालय ने याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना और विस्तृत बहस के उपरांत निर्णय सुनाया या विचाराधीन रखा। इन उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि सांसद होने के बावजूद, कोई भी व्यक्ति यदि यह महसूस करता है कि कोई कानून संविधान की मूल भावना या मूल अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है, तो वह सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। नीयत पर शक करना, या उसे राजनीतिक अवसरवाद कहना, संविधान की व्याख्या को संकीर्ण दृष्टि से देखना है। दूसरा अहम पक्ष यह है कि जब कोई मामला अदालत में लंबित हो (sub judice), तब उस पर सार्वजनिक मंचों या सोशल मीडिया पर विवेकहीन टिप्पणी करना विधिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप की श्रेणी में आ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णय यह रेखांकित कर चुके हैं कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान समाज को संयम बरतना चाहिए, न कि अदालत से पहले अदालत लगानी चाहिए। न्यायपालिका संविधान की संरक्षक है।

अनुच्छेद 142 उसे "पूर्ण न्याय" करने की शक्ति देता है। यह संस्था यदि अपने विवेक से कानून की वैधता पर विचार करती है, तो यह विधायिका पर हमला नहीं, बल्कि संविधान के संतुलन की प्रक्रिया है।

न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका—तीनों लोकतंत्र के स्तंभ हैं, और इनका संतुलन ही संविधान का मूल ढांचा है। लोकतंत्र में असहमति का स्थान है, पर वह असहमति संविधान की मयार्दा के भीतर होनी चाहिए। आलोचना हो, तो तथ्यों पर आधारित हो। प्रश्न उठें, तो संवैधानिक जिज्ञासा से उठें।

न्यायपालिका पर भरोसा ही लोकतंत्र की दीघार्यु का मार्ग है। जब हम अदालत पर अविश्वास जताते हैं, तो यह केवल एक संस्था पर नहीं, संपूर्ण व्यवस्था पर अविश्वास होता है। आज जब देश विविध विधिक और सामाजिक बदलावों के दौर से गुजर रहा है, तब हमें यह सीखने की आवश्यकता है कि कानून की समीक्षा और पुनरावलोकन किसी संस्था का अपमान नहीं, बल्कि संवैधानिक परिपक्वता की निशानी है।

सांसद जब याचिका दायर करते हैं, तो वे जनता की ही आवाज को विधिक धरातल पर ले जाते हैं।

आखिर में यही कहा जा सकता है कि हमें संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखना है तो जरूरी है कि हम संयम, विवेक और विधिक चेतना का पालन करें।

न्यायालय से पहले निर्णय देने का कार्य हमें नहीं सौंपा गया है। न्यायपालिका को न्याय करने दीजिए—संविधान उन्हें यह शक्ति और जिम्मेदारी दोनों देता है।

संविधान से बड़ा कोई नहीं—न सांसद, न अदालत, न जनभावना।

संक्षिप्त डायरी

दिल्ली में सुबह-सुबह पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली में शुक्रवार सुबह पांच बजे बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक वांटेड अपराधी पकड़ा गया। यह एनकाउंटर नजफगढ़ में हुआ। पुलिस ने अक्षय उर्फ गोलू को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर पर गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पांच बजे 30 साल का अक्षय उर्फ गोलू जय विहार नाला रोड पर लूटी गई मोटर साइकिल के साथ मिला। वह नजफगढ़ में डकैती के एक मामले में वांटेड था। उसे सरेंडर करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। उसके कजे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं और तीन गोलियां नजफगढ़ की पुलिस टीम ने चलाईं। उसके खिलाफ डकैती, स्नैचिंग, चोरी और आर्स ए ट के 13 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 10 बार निवारक का-र्रवाई की गई है। आखिरी बार 18 जनवरी 2025 को उसे पुलिस स्टेशन बाबा हरिदास नगर में धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिर तार किया गया था।

रेलवे ने खोला पिटारा छपरा, मुज फरपुर और पटना समेत कई शहरों के लिए ट्रेनों का ऐलान

नई दिल्ली/ भव्य खबर। इंडियन रेलवे की तरफ से दिल्ली से बिहार और यूपी के लिए कई ट्रेनों का ऐलान किया गया है। शादी के सीजन में और गर्मियों की छुट्टियों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे का ये फैसला फायदेमंद साबित होगा। इसमें बिहार और यूपी के अलावा उाराखंड के लिए भी ट्रेन शामिल की गई है। गर्मियों के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उार रेलवे ने एक दर्जन से अधिक स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। ये स्पेशल ट्रेनें दिल्ली से बिहार के सीतामढ़ी, पटना, मुज फरपुर, दरभंगा और जोगबनी तक जाएंगी। इस बीच प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, हाजीपुर, मुज फरपुर, लखनऊ, सुलतानपुर, डीडीयू, ब सर, सुलतानपुर, जौनपुर, कटिहार, पूर्णिया और आरा में इन ट्रेनों का स्टॉपेज होगा। दिल्ली से अयोध्या और ऋषिकेश के लिए भी स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। उार रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों का संचालन भीड़भाड़ को कम करने और यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा उपलध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

दिल्ली के सीलमपुर से हिंदुओं का पलायन

नई दिल्ली/ भव्य खबर। सीलमपुर में एक युवक की चाकू मारकर हत्या ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने हत्या की है। घटना के बाद लोग पलायन करने की बात कर रहे हैं और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इस हत्याकांड के मामले में अभी तक किसी की गिर तारी नहीं हुई है। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 साल के युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। युवक पर हमला उस समय हुआ जब वो घर से दूध लेने के लिए निकला था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पूरे मामले में एक लड़की के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है। घटना के बाद लोगों में दहशत है। हिंदुओं के पलायन की बात सामने आ रही है। लोगों ने अपने घरों के बाहर ये मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। जिसमें लिखा है कि योगी जी, मदद करो योगी जी, रेखा गुप्ता जी मदद करो। इस मर्डर की घटना के बाद सीलमपुर में स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की। पुलिस ने मृतक की पहचान कुनाल के रूप में की है। सीलमपुर हत्याकांड के मामले में अभी तक किसी की गिर तारी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वे लोग लड़कियों का खुलेआम हाथ पकड़ते हैं। यहां कई बांग्लादेशी भी किराए पर रहते हैं जो इस तरह की घटना को अंजाम देने में लगे हुए हैं। इन लोगों के डर के कारण इस इलाके में हम लोगों के केवल 3 मकान बचे हुए हैं। सब लोग यहां से जा चके हैं।

अवैध ढाबों पर मनजिंदर सिंह सिरसा का सत ए शन, तुरंत सील करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के पास रघुवीर नगर इलाके का दौरा किया। वहां, उन्होंने सड़कों और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान मनजिंदर सिंह सिरसा ए शन मोड में दिखे। उन्होंने अधिकारियों को अवैध ढाबों और कोयले के तंदूरों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इस मौके पर मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अवैध ढाबे, पार्किंग और प्रतिबंधित कोयले के तंदूर, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रहे हैं, उन्हें हटाने का अधिकारियों को आदेश दिया है। आज ही इन्हें सील किया जाए और उनके मीटर काटे जाएंगे। हमें दिल्ली को विकसित और खूबसूरत दिल्ली बनाना है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार प्रदूषण को लेकर बड़े कदम उठाने जा रही है। दिल्ली के अंदर बाहर से प्रवेश करने वाले 10 से 15 साल पुराने किसी भी वाहन को प्रवेश करते ही एक संदेश मिलेगा, जिसमें चेतावनी दी जाएगी कि उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं है। हम वाहनों को पहले से संदेश भेजकर सलाह देंगे कि वे ऐसे वाहन दिल्ली में न लाएं। हम 1000 वाटर स्प्रिंकलर लगा रहे हैं, जो जियोटैग होंगे। लाउडस्पीकर को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि लाउडस्पीकर के संबंध में सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा-निदेशों का पालन करना चाहिए। यह धर्म की राजनीति नहीं है। सभी धर्मों को सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित दिशा-निर्देश मानने होंगे।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने दिल्ली में बिहू उत्सव का आयोजन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यहां अपने आधिकारिक आवास पर रोंगाली बिहू और असमिया नव वर्ष के उपलक्ष्य में 'रोंगालीर एनजोरी' उत्सव का आयोजन किया।

बृहस्पतिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले असमिया और पूर्वोत्तर समुदायों के कई गणमान्य व्यक्ति, कलाकार और सदस्य भी शामिल हुए।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''रोंगाली बिहू हम सभी के लिए राष्ट्र की प्रगति की खातिर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आता है। यह त्योहार सिर्फ उत्सव मनाने के बारे में ही नहीं है, यह एकता, परंपरा और हमारी साझा सांस्कृतिक पहचान के बारे में है।''

सोनोवाल ने कहा कि घर से दूर होने के बावजूद, दिल्ली में मनाया जाने वाला यह त्योहार अपनी जड़ों से हर असमिया के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''जब प्रकृति रंगों में रंग जाती है, तो ढोल की लयबद्ध थाप के साथ बिहू गीतों की ध्वनि हवा को प्रसन्न ता और गर्व से भर देती है। यह बिहू हमें हमारी विरासत से जोड़ता है और हमें नई उम्मीद और उत्साह से भर देता है।''

सोनोवाल ने कहा कि बिहू जैसे त्योतहार भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं से इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने का अनुरोध किया।

सोनोवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण पर भी बल देते हुए कहा, ''हमें इस उत्साहपूर्ण मौसम में विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए।'' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस आयोजन के लिए सोनोवाल की सराहना करते हुए कहा, ''रोंगाली बिहू सद्भाव और सद्भावना का संदेश देता है। यह एकता की शक्ति को मजबूत करते हुए भारत की सांस्कृतिक विविधता की सुंदरता को प्रदर्शित करता है। मैं इस त्योहार के मौसम में दिल्ली के साथ-साथ असम के लोगों को भी अपनी शुभकामनाएं देती हूं क्योंकि हम सभी के लिए शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।''

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सांस्कृतिक तालमेल की प्रशंसा की। रीजीजू ने कहा, ''पूर्वोत्तर भारत के समुदायों के बीच मजबूत संबंध राष्ट्रीय विकास के इंजन को सशक्त बना रहे हैं। इस क्षेत्र की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत भारत की सामूहिक पहचान में जीवंत रंग जोड़ती है।''

दिल्ली सरकार मानसून में जलभराव से मुक्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हर संभव प्रयास कर रही है।

मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। गुप्ता ने कहा, ''भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे।''

संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो। गुप्ता डब्ल्यूएचओ इमारत के पास रिंग रोड और पुल प्रह्लादपुर अंडरपास सहित अन्य प्रमुख जलभराव वाले स्थानों पर मानसून की तैयारियों का भी निरीक्षण करेंगी।

दिल्ली : मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी में विकास कार्यों की रखी आधारशिला, त्वरित कार्यान्वयन के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री और जनकपुरी सीट से विधायक आशीष सूद ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के वीरेंद्र नगर, चाणक्य प्लेस और महावीर एन्क्लेव में कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

जिन कार्यों की आधारशिला रखी गई उनमें सड़क निर्माण, सीवर लाइन, पीने के पानी की पाइपलाइन और जल निकासी व्यवस्था शामिल हैं। मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर दिल्ली जल बोर्ड और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री सूद ने सबसे पहले वीरेंद्र नगर की गलियों में सड़क, सीवर और पानी की पाइपलाइन के कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने गली नंबर 1, 2 और 5 में सीवर लाइन को पानी की पाइपलाइन से अलग करने और बरसात से पहले जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों ने भारती कॉलेज और बीएफ ब्लॉक के सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति की शिकायत की, जिसके समाधान का

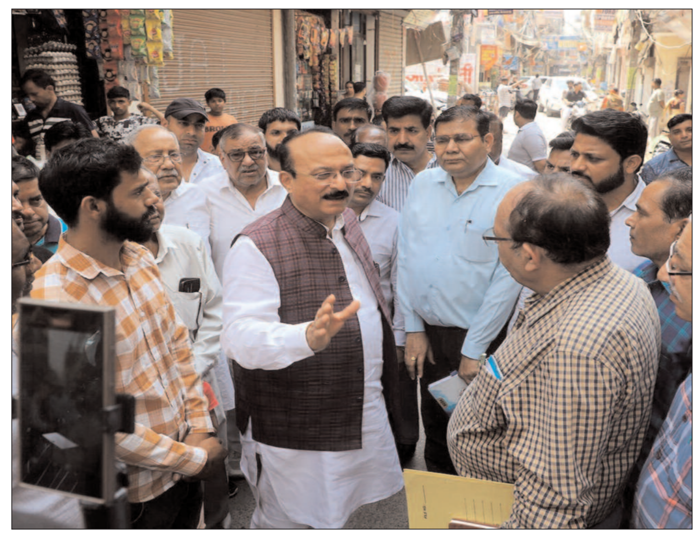

मंत्री ने भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि 2025 के अंत तक वीरेंद्र नगर की हर गली में सीवर लाइन होगी।

इसके बाद चाणक्य प्लेस के 30 फुटा रोड पर पहुंचे मंत्री सूद ने सड़क और सीवर लाइन के कार्यों की शुरुआत की। उन्होंने आजाद जूस वाली गली में 120 फीट सड़क का निर्माण जल्द पूरा करने और बिजली के जर्जर तारों को ठीक करने के निर्देश दिए ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं रोकी जा सकें।

महावीर एन्क्लेव पार्ट-2 के बी ब्लॉक, गली नंबर 31 में नई सीवर लाइन और पानी की पाइपलाइन के कार्य की आधारशिला रखते हुए मंत्री ने 30 जून तक कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही क्षेत्र की हर गली में सीवर और पानी की सुविधा होगी।

मंत्री सूद ने जनकपुरी की जनता से कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को पूरा करने के लिए हम जनकपुरी को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाएंगे। दिल्ली को विकास का रोल मॉडल बनाना हमारा लक्ष्य है।' उन्होंने दिल्ली सरकार के एक्शन मोड में कार्य करने और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को विकसित राजधानी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इन कार्यक्रमों में स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने सीवर जाम, गंदा पानी, लटकते बिजली के तार, पार्कों की बदहाली और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं उठाईं। मंत्री सूद ने तत्काल समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा, 'मैं ब्लेम-गेम में नहीं, जमीनी काम में विश्वास रखता हूं। जनकपुरी के विधायक और मंत्री के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि हर समस्या का समाधान हो।'

दिल्ली : सीलमपुर में नाबालिग की हत्या पर मनोज तिवारी ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी का दिया भरोसा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में न्यू सीलमपुर के जे-ब्लॉक में एक 17 वर्षीय लड़के की बेरहमी से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। इस घटना पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गहरी चिंता व्यक्त की है और पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है। मनोज तिवारी ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 卐सीलमपुर में कुणाल नाम के 17 साल के दलित युवक की हत्या अत्यंत चिंताजनक है। क्षेत्र के लोगों में रोष स्वाभाविक है। मैं रात से ही जिले के तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क में हूं। अधिकांश अपराधी चिह्नित हो गए हैं और बाकी की भी गहन पड़ताल जारी है। अपराधी कहीं भी छिपने की कोशिश करें, जल्द ही गिरफ्तार होंगे और कड़ी सजा मिलेगी। लोगों में रोष स्वाभाविक है, पर क्षेत्र के लोग संयम रखें, पुलिस को कार्रवाई में बाधा न हो ऐसा प्रयास करें।卐 भाजपा नेता ने दोपहर बाद एक अन्य पोस्ट में कहा कि वह स्वयं सीलमपुर जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करना चाहते थे, लेकिन फ्लाइट में देरी होने के कारण नहीं पहुंच पाए। उन्होंने लिखा, 卐मैं विश्वास दिलाता हूं कि अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे और उन्हें कड़ी सजा मिलेगी।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था, 卐मैंने खुद पुलिस कमिश्नर से बात की है। कुणाल पर चाकुओं से हमला हुआ था। परिवार के लोग गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या के दोषियों को पुलिस गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। हमें पूरी उम्मीद है कि पुलिस दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लेगी। मृतक के परिवार के साथ पूरा न्याय होगा। इसमें किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।'' उल्लेखनीय है कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर के जे-ब्लॉक में 17 वर्षीय एक किशोर की गुरुवार शाम चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान उसी इलाके के कुणाल के रूप में हुई है। नाबालिग लड़के पर गुरुवार शाम करीब 7~38 बजे हमला हुआ था।

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल को सीएसआर के तहत मिले महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड मामले में जनता के पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कांग्रेस के अकबर रोड कार्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया।भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा की शहर इकाई के कार्यकर्ता मान सिंह रोड पर एकत्र हुए, जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया।सचदेवा ने कहा, 'मामला 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का कम मूल्यांकन करने से जुड़ा है, जिसे 50 लाख रुपये में मां ने अपने बेटे को सौंप दिया।' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में धनशोधन के आरोप में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।कांग्रेस ने आरोपपत्र को प्रतिशोध की राजनीति बताया है।सचदेवा ने पूछा कि अगर सोनिया गांधी और राहुल गांधी को लगता है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है तो उन्होंने जमानत के लिए आवेदन क्यों किया।उन्होंने कहा, 'इसके बजाय उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए थी और खुद को सही साबित करना चाहिए था।÷उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला ÷साजिश, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का मामला है जिसके लिए कांग्रेस नेता जवाबदेह हैं।' सचदेवा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा चुराए गए सार्वजनिक धन का एक-एक पैसा वसूला जाएगा।

सीलमपुर हत्याकांड : शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर आप और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में 17 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना के बाद शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। दोनों पक्षों ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। न्यू सीलमपुर के जे ब्लॉक इलाके में बृहस्पतिवार को किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और 'आप' की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। आतिशी ने 'एक्स' पर लिखा, ''सीलमपुर में 17 वर्षीय युवक की हत्या दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था का एक और उदाहरण है।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली पुलिस क्या कर रही है? गृह मंत्री अमित शाह क्या कर रहे हैं? डबल इंजन सरकार क्या कर रही है?'' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि युवक के परिवार को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''मैंने पुलिस आयुक्त से बात की है। पुलिस हरसंभव प्रयास कर रही है और मुझे उम्मीद है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि युवक के परिवार को न्याय मिले।'' विपक्ष के आरोप का जवाब देते हुए उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने हत्या की घटना की निंदा की और कहा कि कानून प्रवर्तक मामले को गंभीरता से ले रहे हैं साथ ही उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि त्वरित कार्रवाई की जाएगी। तिवारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सीलमपुर में कुणाल नामक 17 वर्षीय दलित युवक की हत्या की घटना बेहद चिंताजनक है। इलाके के लोगों में गुस्सा स्वाभाविक है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कल रात से ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हूं। अधिकतर अपराधियों की पहचान कर ली गई है और गहन जांच की जा रही है।'' तिवारी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने लोगों से शांति की अपील भी की। उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि पुलिस कार्रवाई में बाधा न आए।''

प्रदूषण से निपटने और यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली सरकार का प्लाहन तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हरसंभव प्रयास कर रही है। मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएम रेखा ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ''भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे।' संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो। प्रवेश वर्मा ने कहा, ''पिछले साल, यातायात पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में 194 जलभराव वाले स्थानों की पहचान की थी। इनमें से अधिकांश पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर हैं। इन जगहों पर नालों की सफाई, ज्यादा पंप लगाने और जरूरत पड़ने पर कर्मचारी तैनात करने जैसे कई उपाय किये जा रहे हैं।' गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन भवन के पास रिंग रोड सहित अन्य प्रमुख जलभराव वाले स्थलों पर मानसून की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन भवन के पास वाली जगह कई वर्षों से जलभराव वाले शीर्ष 10 स्थानों में से एक है। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने बिजली और पीडब्ल्यूडी सहित कई विभागों के साथ बैठक की। प्रवेश वर्मा ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने जलभराव, यातायात जाम और अंधेरे वाले स्थानों के मुद्दों पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) सहित सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक की तथा सभी को निर्धारित समयसीमा के अनुसार काम पूरा करने का निर्देश दिया।' योजना के अनुसार जिन स्थानों पर एक नए नाले का निर्माण जैसे दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं, वहां अतिरिक्त पंप लगाए जाएंगे ताकि बारिश के पानी को निकाला जा सके।

'डंकी रूट' के जरिये अमेरिका में अवैध प्रवेश कराने में शामिल होने के आरोप में एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने पंजाब के 36 वर्षीय एक एजेंट को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर यात्रा दस्तावेजों में जालसाजी करने और 'डंकी रूट' के जरिये अमेरिका में अवैध प्रवेश कराने में संलिप्त था। यह जानकारी एक अधिकारी ने शुक्रवार को दी।

'डंकी रूट' ऐसे रास्तों को कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल प्रवासी बिना उचित दस्तावेज के अमेरिका जैसे देशों में प्रवेश करने के लिए करते हैं। उनकी जोखिम भरी और कठिन यात्रा आमतौर पर मानव तस्करी सिंडिकेट द्वारा सुगम बनाई जाती है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान पंजाब के पटियाला के मटौली गांव निवासी नरेश कुमार के रूप में हुई है और उसे अमेरिका से एक भारतीय यात्री को वापस भेजे जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कुमार ने कथित तौर पर अन्य एजेंट के साथ मिलकर फर्जी 'शेंगेन वीजा' का प्रबंध किया था और बाद में जालसाजी को छिपाने के लिए यात्री के पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ की थी।

यह मामला चार और पांच अप्रैल की दरमियानी रात को तब प्रकाश में आया जब गुरसाहिब सिंह (39) अमेरिका से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा। उसे अमेरिका से वापस भेज दिया गया था। उसके यात्रा दस्तावेजों की जांच के दौरान आव्रजन अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट के एक पन्ने पर गोंद के निशान देखे, जिससे छेड़छाड़ का संकेत मिला।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब के तरनतारन जिले के निवासी सिंह पर बाद में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि सिंह को गिरफ्तार करके पूछताछ की गई, जिसके दौरान उसने इस बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सिंह ने खुलासा किया कि 2024 में सिंगापुर से भारत लौटने के बाद वह गुरदेव सिंह उर्फ 'गुर्री' नामक एक एजेंट के संपर्क में आया, जिसने 20 लाख रुपये के बदले उसे अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने में मदद करने का वादा किया। सिंह ने 17 लाख रुपये नकद दिये और शेष तीन लाख रुपये एक बैंक खाते में ट्रांसफर किए, जो बाद में नरेश कुमार का निकला।

पुलिस ने बताया कि साजिश के अनुसार, सिंह को ब्रिटेन, स्पेन, ग्वाटेमाला, मैक्सिको और अंत में तिजुआना सहित कई देशों से होकर भेजा गया, जहां से वह 'डंकी रूट' के जरिये अवैध रूप से अमेरिका में घुस गया। पुलिस के अनुसार अमेरिका में प्रवेश करने से पहले, एजेंट के एक सहयोगी ने जाली शेंगेन वीजा हासिल किया और उसे सिंह के पासपोर्ट पर चिपका दिया, जिसमें बाद में नकली वीजा को छिपाने के लिए छेड़छाड़ की गई।

पुलिस के अनुसार, हालांकि सिंह को अमेरिकी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया और तीन महीने हिरासत में रखने के बाद उसे भारत भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार उसके आने पर जांच शुरू हुई और कुमार की गिरफ्तारी हुई। अधिकारी ने कहा, ''लगातार पूछताछ के दौरान नरेश कुमार ने जालसाजी में अपनी भूमिका कबूल की और खुलासा किया कि वह और उसका भाई कई सालों से ट्रैवल एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे।''

उन्होंने कहा, ''उसने कमीशन के आधार पर गुरदेव सिंह के साथ मिलकर काम करने की बात स्वीकार की और यात्री से तीन लाख रुपये प्राप्त करने की पुष्टि की।'' उन्होंने कहा कि गुरदेव सिंह का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, जो अब भी फरार है। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता कुमार के बैंक खातों और इसी तरह के मामलों में उसके संभावित संबंधों की भी जांच कर रहे हैं।

यूपी में बारिश-बिजली से 13 की मौत

योगी बोले- चिंता मत करिए, हम आपके साथ, 37 जिलों में अलर्ट, ओले भी गिरेंगे

लखनऊ। यूपी में बेमौसम बारिश कहर बनकर टूटी है। 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा 6 मौतें अयोध्या में हुई हैं। यहां गुरुवार शाम को तेज आंधी चलने से एक ट्रैक्टर- ट्रॉली पलट गई। इसके नीचे दबकर 3 महिलाओं की मौत हो गई। इसके अलावा, बारिश से दीवार गिर गई। मलबे में दबने से 3 महिलाओं की जान चली गई। बाराबंकी में टिन शेड और पेड़ गिरने से 6 साल के बच्चे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। 6 लोग घायल हुए हैं। अमेठी और बस्ती में बिजली गिरने से 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। गोरखपुर में देर रात बारिश हुई। बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं को देखते हुए सीएम योगी ने अफसरों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। कहा- चिंता की जरूरत नहीं है। सरकार आपके साथ है। अधिकारी फील्ड में उतरें, राहत कार्यों पर नजर रखें। जलभराव की स्थिति में जल निकासी की व्यवस्था कराएं। फसलों के नुकसान का सर्वे कराकर रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजी जाए, ताकि किसानों को मुआवजा दिया जा सके। आज 37 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी यूपी के जिलों में देर रात तक आंधी और बारिश की संभावना है। 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। ओले भी गिरने की आशंका है। गुरुवार की बात करें तो अयोध्या, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, अमेठी और लखीमपुर समेत 13 शहरों में बारिश हुई। अयोध्या और गोंडा में ओले भी गिरे। अयोध्या में आंधी के कारण हाईवे पर कई जगह पेड़ उखड़ गए। लखनऊ में सुबह से तेज पूर्वी हवा चल रही है। दिनभर इसी तरह हवा चलने का अलर्ट है। फिलहाल, मौसम साफ बना हुआ है। दिन में बादल भी छाए रहेंगे। तेज धूप के चलते आज तापमान 40 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा सकता है। गुरुवार देर रात न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि, अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि आज पूर्वी और पश्चिमी यूपी में बारिश होगी। बादलों की गरज चमक के साथ में पूर्वी हवा भी चलती रहेगी। 20 अप्रैल तक यही स्थिति बनी रहेगी। पूर्वी यूपी में बादलों की गरज चमक के साथ में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। बादल गरजने के साथ बिजली चमकेगी भी बनी रहेगी। अगले तीन दिन तापमान स्थिर रहेगा । इसके बाद धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। लखनऊ में मौसम सामान्य बना रहेगा। बादल छाए रहने के साथ में तेज हवा का असर बना रहेगा। गुरुवार की शाम पांच बजे मौसम अचानक बदल गया था। धूल भरी तेज हवा चलने लगी। शहर के कई हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई। दिन में कई बार बादलों की आवाजाही भी देखने को मिली। पूर्वी हवा ने सुबह और शाम को लोगों को गर्मी से राहत दी। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा- पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम बदला है। पश्चिम से आ रही हवाओं में काफी मात्रा में नमी है। यूपी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दबाव) बन रहा है। इसके चलते बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम हो जाएगी। यूपी में अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। वहीं, बात न्यूनतम तापमान की करें तो अगले 5 दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान उछाल आ सकता है। अमेठी में शुक्ल बाजार थाना क्षेत्र के ऊंचगांव में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी। चपेट में आने से महिला झुलस गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। बाराबंकी में गुरुवार शाम को तेज आंधी-बारिश के बीच हादसा हुआ है। 4 लोगों की मौत हो गई। एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है। थाना जैदपुर क्षेत्र के नवाबपुर कोड़री गांव में आंधी से बचने के लिए तीन लोग स्कूल में रुके थे। आंधी से स्कूल की दीवार और टीन शेड भरभराकर गिर गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

दूसरी घटना रामसनेहीघाट के बनी कोटर इलाके में हुई। यहां तेज आंधी के कारण एक पेड़ गिर गया। पेड़ की आड़ में खड़े दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गया है।

शनि महाराज की मूर्ति संग हुआ नगर भ्रमण, आज होगी प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित गजहा बाबा मंदिर प्रांगण में भगवान शनिदेव की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव की मूर्ति के साथ नगर भ्रमण किया।

शनिदेव महाराज के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूजता रहा। भजन कीर्तन व हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। गजहा बाबा के मंदिर प्रांगण में भगवान शनिदेव के भव्य मंदिर का निर्माण सभी भक्त तथा नगरवासियों के सहयोग द्वारा कराया गया है।

अनुष्ठान के मुख्य यजमान ज्ञानेश्वर उर्फ ज्ञानी जयसवाल पत्नी कुंती देवी व पारसनाथ वर्मा पत्नी आरती वर्मा के द्वारा पूरे विधि-विधान पूर्वक से अनुष्ठान किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी लल्लन मिश्र ने बताया कि 19 अप्रैल को मूर्ति स्थापित किया जाना है।

20 अप्रैल को हवन, यज्ञ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इस दौरान राजेंद्र जयसवाल, मनोज, गुड्डू जयसवाल, राकेश जायसवाल, बिष्णु दयाल जयसवाल, सत्य प्रकाश, शैलेश जयसवाल, गुलाबचंद गुप्त, वदाना सोनकर, श्याम पांडेय, राजेश सोनकर, जयप्रकाश, प्रेमचंद वर्मा, पारस साहू सुरेंद्र साहू, सतीशचंद जायसवाल, गोरख साहू, अवधेश साहू, लल्लन जायसवाल, बच्चु सोनकर, प्रेमचंद साहू आदि मौजूद थे।

शोभा यात्रा निकालकर नशा मुक्ति को लेकर किया जागरूक

संवाददाता

कुशीनगर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे के खिलाफ ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र से शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा हाटा मुख्य ।मार्केट से होते बाघनाथ चौराहा, कर्महा रोड, कोतवाली चौराहा से होते हुए कप्तानगंज चौराहे पर सम्पन्न हुआ। हाटा के विधायक मोहन वर्मा जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किये। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी एवं ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा उनका

अभिनंदन किया गया।बीकुशीनगर की संचालिका मीरा दीदी ने अभियान के उद्देश्य से अवगत कराते हुए कहा की मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के लिए राजयोग द्वारा मानव जीवन को तनाव मुक्त व व्यसन मुक्त करके उनके अंदर देवत्व को जागृत करना एवं तंबाकू, गुटखा, पान, शराब, सिगरेट, बीड़ी जैसी नशीली पदार्थों को छोड़ने के लिए लोगों को प्रेरित करना इस अभियान का लक्ष्यहै। उन्होंने व्यसन से होने वाले नुकसान से बचने के उपाय बताए। नारे लगाते हुए लोगों से अपील किया कि गुटखा, मदिरा, बीड़ी, पान ये है राक्षस की पहचान। हर गांव को गोकुल गांव बनाना है, नशे को दूर भगाना हमोतीचक की ब्लॉक प्रमुख अर्चना सिंह, सुधीर रुंगटा जी, छट्ठू गुप्ता, मनोज भाई, विजेंद्र भाई, सच्चितानंद मिश्र, सरिता, सुधा, अशोक भाई, छांगुर भाई, कन्हैया भाई, पवहारी भाई, हरि गोविंद भाई आदि सम्मिलित रहे।

निक्षय मित्र नोडल ने वयोबृद्ध दिव्यांग को गोद ले दी पोषण की पोटली

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।

सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कसया में इलाज कराने आए वयोबृद्ध दिव्यांग को निक्षय मित्र नोडल अधिकारी आशुतोष कुमार मिश्रा ने गोद लिया और प्रोटीन युक्त पोषण से भरपूर पोटली देकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

शुक्रवार को सीएचसी पहुंचे टीबी के मरीज वयोबृद्ध दिव्यांग की जांच चिकित्सक ने की और उनके निर्देश पर निक्षय मित्र नोडल अधिकारी आशुतोष कुमार मिश्रा ने दिव्यांग मरीज की दवा शुरू की। मरीज का हालत काफी दयनीय है।

दिव्यांग मरीज ने बताया कि वह काफी गरीब है। श्री मिश्रा ने आश्वस्त किया कि इलाज में कहीं कोई कमी नहीं होगी और हमेशा सहयोग किया जायेगा। यह सुनकर मरीज के चेहरे पर मुस्कान खिल गई। श्री मिश्रा ने बताया कि समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है। बताया कि पूरे जनपद में 4338 मरीज उपचार ले रहे हैं। लगभग 81प्रतिशत यानी 3524 मरीजो द्वारा गोद लेने की सहमति दी गयी है। पूरे जनपद में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज एवं मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी के प्रेरणा एवं निर्देशन में अभियान चलाकर गोद हेतु सहमति लेने वाले क्षयरोगियो में से 88 प्रतिशत लगभग 3101क्षयरोगियो को पोषण की पोटली दी जा चुकी है तथा शेष को देने के लिये प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस ने देश में जातिवाद और वोट बैंक की राजनीति को दिया बढ़ावाः डॉ रमापति राम त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर। अम्बेडकर जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अम्बेडकर सम्मान अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित किया गया जिसमें वक्ताओं ने संविधान और बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी सरकारों द्वारा किए गए कार्यों का बखान करते हुए डॉ अम्बेडकर और संविधान को बार बार अपमानित करने के लिए कांग्रेस को निशाने पर रखा।मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया और उन्हें सिस्टम से बाहर रखने की साजिश की। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि अंबेडकर को कांग्रेस ने दो बार

चुनावों में हराया और उनके योगदान को नजरअंदाज किया। कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए अंबेडकर के योगदान को कम किया। जब तक वह जीवित थे, कांग्रेस ने उनका अपमान किया। अंबेडकर समानता के पक्षधर थे, लेकिन कांग्रेस ने देश में जातिवाद और वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा था बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखकर हमारे देश को सम्मान से चलना सिखाया। उन बाबासाहेब का सम्मान सच में किसी ने सबसे अधिक किया है तो वो भारतीय जनता पार्टी ने किया है।बाबा साहब ने भावी भारत के लिए जिन कार्यों को पूरा करने का स्वप्न देखा था, उन सबको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री सतीश चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि संविधान और बाबा साहेब का कदम कदम पर कोई अपमान किया है तो वह है कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां। सत्तालोलुप कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देते हुए बार बार संविधान का संशोधन कर संविधान की मूल भावना के साथ खिलवाड़ किया। श्री द्विवेदी ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर के निधन के पश्चात 1956 में उनके दिल्ली स्थित आवास 26, अलीपुर रोड को राष्ट्रीय स्मारक में परिवर्तित करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अस्वीकार कर दिया था। यह कार्य अंततः मोदी सरकार के दौरान 2016 में प्रारंभ हुआ और वर्ष 2018 में स्मारक का लोकार्पण किया गया। मोदी सरकार द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़े पाँच महत्वपूर्ण स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया, जिनका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व है। रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड ने कहा कि वर्तमान भारत के निर्माण में बाबा साहब का अमूल्य योगदान है। भाजपा का संपूर्ण नेतृत्व बाबा साहब के कृतित्व और व्यक्तित्व को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। संगोष्ठी को कुशीनगर विधायक पीएन पाठक, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय,पूर्व विधायक दीपलाल भारती, अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री राधेश्याम गोंड, क्षेत्रीय महामंत्री सुचित गोंड, अनुसूचित मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एम पी कन्नौजिया,मोनू कन्नौजिया, धर्मेंद्र भारती,नकुल वर्मा ने भी सम्बोधित किया।अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और संचालन जिला मीडिया प्रभारी व अभियान संयोजक विश्वरंजन कुमार आनन्द ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, कन्हैया गोंड, डॉ केपी गोंड, सुरेन्द्र कुमार भारती, भृगुराशन प्रसाद,सरस प्रसाद, सभासद बबलू खरवार, मोहन प्रसाद खरवार, बैरिस्टर भारती सहित पार्टीजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

जितेंद्र कुमार एआरपी (विज्ञान) के पद पर चयनित

संवाददाता

कुशीनगर। विकास खंड सेवरही जनपद- कुशीनगर में कार्यरत शिक्षक जितेंद्र कुमार का चयन एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) विज्ञान के पद पर होने से शिक्षकों में खुशी की लहर है' श्री कुमार पुत्र काशी प्रसाद मूल रूप से तरया सुजान के निवासी हैं। उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव से ही हुई। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की शिक्षा प्रथम श्रेणी में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से प्राप्त की तथा बीएड कोर्स बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके उपरांत इनका चयन बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के पद पर हुआ। विद्यालय पर प्रभारी प्रधानाध्यापक के दायित्वों का निर्वहन करते हुए एआरपी।के पद पर चयनित हुए। इस चयन के मौके पर विनोद कुमार, अंगपाल गोंड, अजीत कुमार यादव, दीपक कुमार यादव, विजय सिंह (पूर्व ए0आर0पी0), रामाश्रय कुशवाहा (पूर्व ए0आर0पी0), संतोष शर्मा (पूर्व एआरपी) ग्राम प्रधान तरया सुजान एवं प्रधान संघ के अध्यक्ष ब्लॉक इकाई।सेवरही कृष्ण कुमार राय ने माल्यार्पण व अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर धोढा प्रसाद, नसरुल्लाह अंसारी, राकेश राय, अटेवा ब्लॉक इकाई सेवरही अध्यक्ष अनुराग पटेल, मंत्री विवेक यादव इत्यादि ने शुभकामनाएं दी।

झांसी में रेलवे ट्रैक पर फंसी कार, ट्रेन ने उड़ाया

झांसी। में रेलवे ट्रैक पर कार फंस गई। तभी ट्रेन आ गई, यह देख ड्राइवर समेत 3 लोग कूदकर भाग गए। पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रेन ने कार को टक्कर मार दी। वहीं सूचना पर पहुंची GRP ने कार सवार

के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।अब ड्राइवर ने खुद को बचाने के लिए सारा दोष गुगल पर मढ़ दिया है। ड्राइवर का कहना है कि गूगल मैप की गलत लोकेशन के चलते कार रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई, जिससे हादसा हुआ। घटना बुधवार रात झांसी-मानिकपुर रेलवे ट्रैक पर मगरपुर रेलवे स्टेशन के पास की है।16 अप्रैल की रात लगभग 11.30 बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस ग्वालियर से वाराणसी की ओर जा रही थी। झांसी रेल मंडल के मगरपुर रेलवे स्टेशन से एक किलोमीटर पहले पटरी पर एक बोलेरो कार पटरी पर आ गई।ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक पर कार को देखते ही ट्रेन को रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी, लेकिन ट्रेन ने कार को टक्कर मार दी। इसके बाद आगे जाकर रुक गई। हादसे की सूचना पर ऋक्ष्द्ध टीम पहुंची। आरपीएफ और जीआरपी ने काफी मशक्कत के बाद कार को ट्रैक से हटाया। करीब एक घंटे की देरी के बाद ट्रेन वाराणसी के लिए रवाना हुई।।करार थाना प्रभारी अमीराम सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब 12 बजे की घटना है। कार की नंबर प्लेट से गाड़ी मालिक तक पहुंचे। तालबेहट निवासी ड्राइवर रविंद्र गुर्जर ने बताया कि वह गुगल मैप लगाकर ललितपुर जा रहे थे। कार में हेमंत साहू, ललितपुर और अनुतेंद्र सिंह तालबेहट सवार थे। कार रेलवे ट्रैक की गिट्टियों में फंस गई। फाटक नहीं होने से ट्रेन के आने का पता नहीं चला।कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया- कार ड्राइवर रविंद्र तोमर ने रेलवे के नियमों का उल्लंघन करते हुए पटरी पार की है। ये रेलवे एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सांप से डसवाने से पहले पति संग मंदिर गई थी

मेरठ। बेटी और अमित के बीच कभी ऐसी कोई अनबन नहीं थी, जो हत्या तक पहुंचती। ससुराल में अमित को छोड़कर बाकी लोग रविता के साथ अच्छा बर्ताव नहीं करते थे। मुनेश ने अमरदीप के बारे में कभी नहीं

बताया था। इस मामले में कुछ और सच्चाई है, जिसे पुलिस नजरअंदाज कर रही है। मेरी बेटी हत्या नहीं कर सकती है।यह कहना है रविता की मां मुनेश का। रविता ने 12 अप्रैल को प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की, फिर सांप से उसे 10 बार डसवाया था।इधर, पुलिस को रविता का एक वीडियो मिला है। इसमें पति-पत्नी दंडवत प्रणाम करते दिखाई पड़ रहे हैं। बैकग्राउंड में 'तूने मुझे बुलाया शेरावालिए' गाना बज रहा है। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि वारदात के दिन रविता अपने पति के साथ सहारनपुर में शाकंभरी माता के दर्शन करने गई थी।वहां से लौटते वक्त रविता ने बॉयफ्रेंड अमरदीप को कॉल और मैसेज कर उसी रात मर्डर की प्लानिंग बताई और रात में पति का मर्डर कर दिया। पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया। दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।अमित कश्यप की ससुराल, मुजफ्फरनगर के सैदपुर खुर्द गांव पहुंची। यहां रविता की मां मुनेश और भाई गुलाब सिंह से बात की गई। परिवार ने पुलिस की कहानी पर गहरा संदेह जताया। मां मुनेश ने कहा- अमित पर अमरदीप का कुछ पैसा बकाया था। घटना से 15 दिन पहले दोनों में मारपीट हुई थी, जिसका फैसला कराने मैं खुद अकबरपुर गई थी। उस वक्त बेटी और दामाद बेहद खुश थे। बेटी ऐसा नहीं कर सकती है।रविता के भाई गुलाब सिंह ने बताया- अमित और रविता ने 4 साल मेहनत करके मकान बनाया। उनके रिश्ते में कभी कोई दरार नहीं दिखी। सांप के काटने की खबर मिलने पर हम अस्पताल पहुंचे। हमने पोस्टमॉर्टम की सलाह दी, जबकि रविता और अमित का परिवार इसके खिलाफ था। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। असल कातिल को सजा मिले, निर्दोष को नहीं।रविता की भाभी मोनिका ने बताया कि अमित और रविता की लव मैरिज हुई थी। दोनों बेहद खुश थे। उस रात रविता, अमित और बच्चे एक ही कमरे में थे। बाहर अमित का परिवार सो रहा था। अगर गला घोंटा गया, तो अमित ने शोर क्यों नहीं मचाया? परिवार को कोई आहट क्यों नहीं सुनाई दी? रविता ऐसा नहीं कर सकती। पड़ोस में रहने वाली रिश्ते की दादी कुंतेश ने कहा- हम रविता को जन्म से जानते हैं। उसका स्वभाव ऐसा नहीं है कि वह हत्या करे।

महागठबंधन के तेजस्वी ही नेता, को ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष बने

सीट से लेकर कैंपेनिंग तक सब तय करेंगे; बोले-नीतीश अचेत, जवाब मोदी-शाह दें

पटना। गुरुवार को महागठबंधन की 3 घंटे चली बैठक के बाद तेजस्वी यादव को को-ऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुन लिया गया है। इससे ये साफ है कि, महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी ही CM फेस होंगे। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने CM फेस पर सीधे तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। CM फेस पर कोई कंफ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि, 'NDA में CM फेस को लेकर भारी कंफ्यूजन है।'वहीं, CM फेस पर तेजस्वी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'सभी बातों पर सहमति बन चुकी है, थोड़े इंतजार का मजा लीजिए, एक ही दिन में सब बता दें क्या।' पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, 'आने वाली बैठक में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।' बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, VIP के साथ लेफ्ट की

तीनों पार्टियां यानी CPM, CPI और CPI-M तीनों के नेता शामिल थे। राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है।ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक कर काम करेंगी और अपने एजेंडे को एकजुटता से आगे बढाएंगी।1. 5 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन को मजबूरबैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा, हमने गरीब, नौजवान, महिलाओं, युवाओं के मुद्दों पर बात की। पलायन पर चर्चा की।'बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 साल से यहां खटारा सरकार है। केंद्र की ही रिपोर्ट बताती है कि बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं, ये तो रजिस्टर्ड हैं।''नॉन रजिस्ट्रेशन वाले 4 से 5 करोड़ लोग पलायन करने वाले हैं। बेरोजगारी, पलायन, अपराध में बिहार नंबर-1 है।''गोपालगंज में लड़की को किडनैप करके गैंगरेप किया जाता है। सीएम के गृह जिला नालंदा में दुष्कर्म कर पैरों में कीलें ठोंक दी जाती हैं। पुलिस को भगाया जा रहा है। अपराधी बेलगाम हैं।'2. दर्जनभर मंत्री, लेकिन कोई अपनी एक उपलब्धि नहीं बता सकतातेजस्वी ने कहा, 'बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल

डिसऑर्डर हो चुका है। इसके दोषी सिर्फ सीएम नीतीश नहीं हैं। उन्हें क्या कहें वो तो अचेत अवस्था में हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बार-बार बिहार आते हैं, उनको जवाब देना चाहिए।''अमित शाह के पास गृह मंत्रालय है। ये लोग मुद्दों पर बात नहीं करते। मोदी 11 साल से प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने बिहार को क्या दिया। केवल ठगने का काम किया है।''लोगों ने भरोसा करके सबसे ज्यादा सांसद दिए। दर्जनभर मंत्री यहां से हैं, मंत्री अपनी एक उपलब्धि बता दें। 20 साल से डबल इंजन की सरकार का नेतृत्व मोदी-नीतीश कर रहे हैं। इनका एक काम बताएं।''प्रति व्यक्ति आय में बिहार सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। निवेश में सबसे पीछे है। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया।'बैठक में महागठबंधन के बड़े नेता हुए शामिलमहागठबंधन की बैठक में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी शामिल हुए। कांग्रेस की तरफ से बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठक में मौजूद रहे।VIP से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, CPI से केडी यादव, CPI-M से अजय कुमार, CPI-ML से राज्य सचिव कुणाल भी मीटिंग में शामिल होने पहुंचे थे।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुकेश सहनी ने कहा, 'कोआर्डिनेशन कमेटी में हर पार्टी से दो लोग होंगे- एक लीडर होंगे, एक सहयोगी। सभी लोगों को मिलकर एक डिसीजन लेना होगा। हमलोग ने कई पॉलिसी बनाई है। वो सब भी आपलोगों को आगे बताया जाएगा। हमारे गठबंधन में कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं है।'मुकेश सहनी से जब सवाल किया गया कि 25 से 30 फिर से नीतीश का पोस्टर लगाया गया है। इसपर सहनी ने कहा- बैठक में जाने से पहले मुकेश सहनी ने कहा, 'NDA वाले कमजोर हैं, इसलिए चाहते हैं हम आ जाएं।' इससे पहले बुधवार को नालंदा में एक जनसभा में सहनी ने कहा है, 'इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी। छोटे भाई तेजस्वी CM बनेंगे, और मैं निषाद का बेटा डिप्टी CM।' बैठक से पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

ड्राइवर को आई झपकी, खड़े ट्रक में जा घुसा ऑटो

सीवान। के गुरुवार रात सीवान से गोरियाकोठी जा रही एक बेकाबू ऑटो खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। इस भीषण टक्कर में 3 महिलाओं समेत 11 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़कागांव के पास हुई।खड़े ट्रक से टकराई ऑटो, 11 घायल प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ, जब ट्रक चालक नीरज कुमार और खलासी चम्पा कुमार ट्रक से सामान उतार रहे थे। करीब 1 बजे पीछे से आ रही तेज रफ्तार ऑटो ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक से सामान उतार रहा ड्राइवर नीरज कुमार ट्रक और ऑटो के बीच में फंस गया। ट्रक ड्राइवर ने ऑटो को ट्रक में टकराने से रोकने की कोशिश की। इसी दौरान ऑटो-ट्रक के बीच दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।हादसे में घायल हुए लोगों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर नीरज कुमार और एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।अन्य घायलों में खलासी चम्पा कुमार, जितेंद्र राम, अमित कुमार साह, मनीषा कुमारी, मुकेश प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, सरिता कुमारी और मनोज कुमार शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सीवान सदर अस्पताल में चल रहा है। सराय थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सभी घायलों का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। ऑटो सीवान से सवारियां लेकर गोरियाकोठी जा रही थी। बड़कागांव के पास पहुंचते ही वह बेकाबू होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। फिलहाल, मामले की जांच कर रहे हैं।

जमीनी विवाद पर घर में घुसकर मारी गोली

जहानाबाद। के बिहटा गांव में गुरुवार रात एक व्यक्ति पर उसके ही घर में घुसकर गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना में गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र पंडित को प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। यह घटना हुलासगंज थाना क्षेत्र की है। घर में घुसकर की फायरिंग, एक घायल जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात धर्मेंद्र अपने घर में बैठे थे, तभी 3-4 हथियारबंद अपराधी घर में दाखिल हुए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान गोली लगने से धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल के चाचा रमाशंकर पंडित ने बताया कि धर्मेंद्र का गांव के ही एक व्यक्ति से पिछले छह महीने से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। वहीं, धर्मेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उनका अपने ससुराल पक्ष से भी पुराना विवाद चल रहा है, जिससे उन्हें हत्या की साजिश की आशंका है।डॉ. वीरेंद्र कुमार शाही ने बताया कि घायल की हालत गंभीर थी, इसलिए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।पुलिस घटना की जांच में जुटी घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है। फिलहाल, किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटना के पीछे क्या वजह है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

गर्लफ्रेंड के जरिए दोस्त बना, ब्लैकमेल कर गंदा वीडियो बनाया

वैशाली। में पोर्नोग्राफी सिंडिकेट का मामला सामने आया है। एक लड़की के पिता ने मोहम्मद साहिल सिद्दीकी नाम के युवक पर लड़कियों को ब्लैकमेल कर अश्लील वीडियो बनाकर विदेश में बेचने का आरोप लगाया है। इस काम में साहिल की मदद उसकी गर्लफ्रेंड करती थी।लड़की के पिता का कहना है कि 26 मार्च को उनकी बेटी का अश्लील वीडियो वायरल हुआ। उन्होंने पहले तो लोकलाज की चिंता की, लेकिन 2 अप्रैल को जंदाहा थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने 3 अप्रैल को मोहम्मद साहिल सिद्दीकी को अरेस्ट कर लिया। जिस लड़की का वीडियो वायरल हुआ उसने बताया कि, मोहम्मद साहिल सिद्दीकी और उसकी गर्लफ्रेंड गुलशन खातून दोनों मिलकर लड़कियों को फंसाते थे।पीड़िता के अनुसार, वह कंप्यूटर क्लास के लिए जंदाहा बाजार जाती थी, जहां उसकी दोस्ती गुलशन खातून से हुई। गुलशन के साथ वह घूमने और खाना खाने रेस्टोरेंट जाती थी।इस दौरान गुलशन ने उसे अपने प्रेमी साहिल से मिलवाया। गुलशन उसे एक दिन होटल लेकर गई, जहां गुलशन और उसने कुछ तस्वीरें ली।पीड़िता ने कहा- 'साहिल ने मेरी तस्वीर को एडिट कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वो कहता था कि अकेले मिलने आओ वरना तुम्हारे घर वालों को सारी तस्वीर भेज दूंगा'पीड़िता ने 2 अप्रैल को केस दर्ज कराया था।

सुनसान सड़क पर ले जाकर बेटी का किया रेप

दरभंगा। में पिता ने अपनी 13 साल की बेटी का रेप किया है। पीड़िता अपनी बुआ के घर में रहती थी। आरोपी पिता उसे लेने वहां गया और घर चलने की बात कही। पीड़िता पिता के साथ घर के लिए पैदल ही निकली। 2 किमी के बाद रास्ते में सुनसान जगह देखकर आरोपी ने अपने बेटी के साथ दुष्कर्म किया। जहां वारदात हुई, वहां से पीड़िता 1 किमी दूर है। नाबालिग ने काफी विरोध किया, पर आरोपी पिता न उसकी एक न सुनी।अक्टूबर में उसे जमानत मिली थी।जमानत मिलने के बाद वो दिल्ली नहीं गया। दरभंगा में ही वो भाड़े की गाड़ी चलाता था। गुरुवार को अपनी बहन के घर से बेटी को

लेकर निकला था।बुआ करा रही पढ़ाई-लिखाई पीड़िता अभी 8वीं कक्षा में पढ़ाई करती है। पिता के जेल जाने के बाद पढ़ाई-लिखाई में परेशानी आ गई। इसलिए वो अपनी बुआ के घर रहने लगी। बुआ ही पीड़िता को पढ़ा-लिखा रही है। पिछले तीन साल से वो बुआ के पास ही रह रही थी। रेप के बाद बच्ची को मेडिकल जांच के लिए डीएमसीएच भेजा गया है। वहीं, आरोपी को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

52 घरों में आग,4 जिंदा जले; चूड़ा खाकर दिन काटा

मुजफ्फरपुर। में बुधवार को बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी गांव में दलित बस्ती में आग लग गई। इस घटना में 4 बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई। इस भीषण आग्निकांड में कई परिवारों के घर राख में तब्दील हो गए, तो किसी के हंसते-खेलते परिवार में मातम पसर गया। अब न तो उन परिवारों के सिर पर छत बची है, न ही घर में खाने के लिए अनाज है। गांव के लोग किसी तरह त्रिपाल लगाकर रहने को मजबूर हैं। अग्निकांड के बाद गांव के हालात का जायजा लेने के लिए भास्कर रिपोर्टर रामपुर मनी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। लोग अब भी उस घटना का जिक्र करते हुए सहम जाते हैं।अगलगी के बाद पीड़ित परिवार बेघर हो गए हैं। सिर पर

छत नहीं है, हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधि ने त्रिपाल दिया है। उसी के नीचे परिवार रह रहे हैं। पीड़ितों के घर के बर्तन भी जल गए हैं। राशन भी बर्बाद हो चुकी है। जिला प्रशासन की ओर से सामूहिक किचन चलाया जा रहा है। बुधवार की रात खाने में आलू की सब्जी और चावल दिया गया था। सुबह में नाश्ते में सभी को चूड़ा और गुड़ मिला। पानी की भी व्यवस्था की गई है। जिन बच्चों की मौत हुई है, उनके परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा दिए गए हैं। पीड़ित जोगीलाल पासवान ने बताया, 'घटना में मेरे तीन बेटों के घर जल गए। बहू के दो लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने भी जल गए। राशन भी जल गया।' '15 क्विंटल गेहूं घर में रखा था। सब कुछ जलकर राख हो गया। मुखिया ने धूप से बचने के लिए त्रिपाल दी है। टेंट बनाकर रह रहे। जिला प्रशासन की ओर से कुछ नहीं मिला है। जिला प्रशासन ने खाने की व्यवस्था की है।' 'गुरुवार सुबह आधा किलो चूड़ा और ढाई सौ ग्राम मीठा मिला है। परिवार में 10 से 12 लोग हैं। इतने सामान से क्या होगा। दोपहर में दो बजे तक खाना नहीं मिला है।' सरकापुर पूर्व विधायक राम बाबू लाल ने कहा, 'जिला प्रशासन की ओर से जो भी व्यवस्था की गई है, वह पर्याप्त नहीं है। यहां स्थिति देखने के बाद प्रशासन का सहयोग शून्य लगता है।' 'सरकारी सुविधा नहीं दी गई है। ग्रामीणों की मदद से पीड़ित परिवारों को भोजन मिल रहा है। स्थानीय अधिकारी को सरकार से बात करनी चाहिए। वरीय पदाधिकारी में एसडीओ आएं, पर डीएम नहीं आएं।' बुधवार को मुजफ्फरपुर के एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चों हो गई है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राजन पासवान की बेटी सृष्टि कुमारी (06),

जिसकी मौत पर 2 लोगों को जेल, दरोगा सस्पेंड-वो जिंदा

परिवार ने ले लिया 4 लाख का मुआवजा; 68 दिन बाद लौट आया बेटा

दरभंगा। में 17 साल के भोला कुमार राम को मृत मानकर एक शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया और परिजनों को चार लाख रुपए की सरकारी सहायता भी मिली।इस मामले में ररढ जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी ने FIR नहीं करने केआरोप में तत्कालीन थानाध्यक्ष दीपक कुमार को निलंबित कर दिया। फिरFIR हुई। पांच लोग नामजद किए गए। दो निर्दोष जेल में हैं, लेकिन वो भोला जिंदा है। 68 दिन बाद भोला खुद कोर्ट पहुंच गया। उसने बताया कि 'उसका अपहरण कर नेपाल ले जाया गया था।'भोला गुरुवार शाम 6.30 बजे वकील के साथ दरभंगा व्यवहार न्यायालय पहुंचा। यह जानकारीमिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मब्बी थानाध्यक्ष सुनील कुमार सूचना मिलते ही कोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने भोला को उसके घर वालों के साथ भेज दिया। भोला के पिता मजदूरी करते हैं।भोला ने बस इतना कहा कि उसे भाई ने नेपाल से लाया। भोला के मुताबिक '8 फरवरी को वह दरभंगा राज परिसर में खेल रहा था। उसी दौरान दो लोग आए। उसके रूमाल सुंघा दिया। वह बेहोश हो गया। होश आने पर अपने को नेपाल में पाया।'मब्बी थाने के सिमरा गांव के जगदेव राम का बेटा भोला कुमार राम (17) 8 फरवरी को लापता हो गया। परिजनों ने थाने में केस दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ। कुछ दिनों बाद एक अनजान नंबर से कॉल आया और 45,000 रुपए की फिरौती मांगी गई। परिवार ने पुलिस को बताया और 5,000 रुपए भेज भी दिए, लेकिन भोला का कुछ पता नहीं चला। 26 फरवरी को बेंता पुलिस ने अल्लपट्टी रेलवे गुमटी के पार ट्रैक से जख्मी हालत में एक युवक को

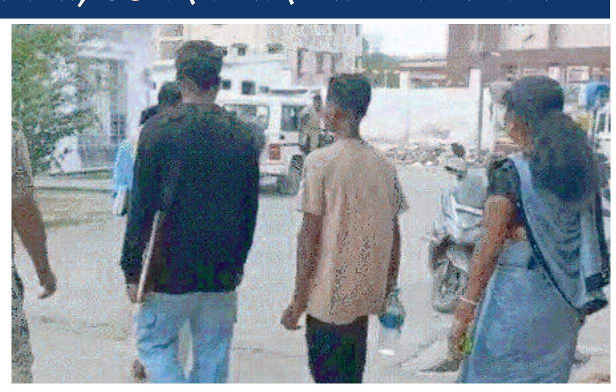

पाया ।उसे डीएमसीएच में भर्ती करवाया गया। 28 फरवरी की रात उसकी मौत हो गई। इस अज्ञात लाश को चेहरे के हिस्से के अनुसार परिजनों ने अपना मना लिया। इसके विरोध में परिजनों ने 1 मार्च को विश्वविद्यालय थाने के आजमनगर दुर्गा मंदिर के समीप लाश को सड़क पर रखकर हो-हंगामा किया। मुआवजे को लेकर किया था सड़क जाम पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की। मुआवजा की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारी के आश्वासन पर जाम हटाया गया। परिजनों को समाज व कल्याण विभाग की ओर से 4 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया। अपना समझ कर अज्ञात लाश का दाह संस्कार कर दिया गया। इस मामले में ररढ जगुनाथ रेड्डी जला ने एक्शन लिया और मब्बी थाने के थानेदार को निलंबित कर दिया।

जांच हुई और जांच के आधार पर 5 लोगों को नामजद करते हुए 2 लोगों को जेल भेज दिया गया।

परिजनों ने ही मरीज को लगाया ऑक्सीजन

बांका । पूर्वी बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मायागंज में बांका जिले के धौरैया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल सुल्तान अंसारी (22) को परिजन इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में तैनात नर्स ने गंभीर हालत में भी मरीज को नजर अंदाज कर दिया। दर्द से तड़प रहे युवक को ऑक्सीजन तक उपलब्ध नहीं कराया गया। परिजनों ने घायल युवक को करीब 10 मिनट तक तड़पता देख खुद ही उसे ऑक्सीजन लगाया, लेकिन नर्स चेंबर में बैठी रही। इसके बाद स्वास्थ्यकर्मी एक्टिव हुए। बताया जा रहा है कि सुल्तान अंसारी बाइक से कुछ सामान लाने जा रहा था। इसी दौरान, सामने से आई बाइक ने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में उनके दाहिने कान और चेहरे पर गंभीर चोट लगी थी। परिजन आनन-फानन में घायल को मायागंज अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन लापरवाही ने इलाज में और देरी कर दी।

पटना में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन, ट्रेन रोकी

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया के खिलाफ ED चार्जशीट का विरोध; बोले- मोदी सरकार परेशान कर रही

पटना। में युवा कांग्रेस ने सचिवालय हॉल्ट पर ट्रेन को रोका है। कांग्रेसी नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं।ट्रेन के आगे कुछ कार्यकर्ता लेट गए। प्रदर्शन के दौरान जयनगर पटना एक्सप्रेस ट्रेन को रोका गया।प्रदर्शनकारियों को हटाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोको पायलट भी लगातार हॉर्न देकर प्रदर्शनकारियों को उठने के लिए इशारा कर रहे थे। बिहार यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने बताया कि, 'कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे को उठा रहे हैं। पिछड़ा, दलित, महादलित की बात कर रहे हैं।'उन्होंने कहा कि, इससे केंद्र की मोदी सरकार

डर गई है। सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हमारे नेता राहुल गांधी को परेशान किया जा रहा है। आज हमलोगों ने ट्रेन रोकी है। आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। हमलोग मुद्दों की लड़ाई लड़ते हैं।

16 अप्रैल को सड़क पर उतरे थे कांग्रेसीइससे पहले 16 अप्रैल को पटना में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया था।

इनकम टैक्स चौराहे पर प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधानमंडल दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान समेत पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए थे।

23 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, पटना-सीतामढ़ी में तेज बारिश

50-60KM/H की रफ्तार से चलेगी हवा, 15 जिलों में मौसम साफ रहेगा

पटना। बिहार के 23 जिलों में आज यानी शुक्रवार को भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि 11 जिलों में यलो अलर्ट है। इस दौरान तेज 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेगी। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। पटना में शुक्रवार सुबह से बारिश हुई है। सीतामढ़ी में भी तेज बारिश है। मौसम विभाग ने सारण, मुजफ्फरपुर, जमुई, बांका और वैशाली में अगले तीन घंटे के लिए बारिश और बिजली को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, 15 जिलों में मौसम साफ रहेगा।

तेज धूप के साथ गर्मी भी बढ़ेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आ रही पूर्वी हवाओं में मौजूद नमी के कारण राज्य में फिलहाल मौसम बदला हुआ है। हालांकि, 19 अप्रैल के बाद राज्य में गर्मी बढ़ेगी। इस दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।बीते दिन यानी गुरुवार को सीवान मुजफ्फरपुर समेत बिहार के 3 जिलों में गुरुवार शाम तेज बारिश हुई। सीतामढ़ी में भी बारिश के साथ-साथ ओले भी गिरे। वहीं, जमुई में आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई।वहीं, 39.2 डिग्री तापमान के साथ रोहतास सबसे गर्म जिला रहा। जबकि औरंगाबाद, गोपालगंज और गया का तापमान 37 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। पटना में दिन का तापमान 35.6 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में 23 अप्रैल से हीट वेव की चेतावनी जारी की है।मौसम विभाग के अनुसार, 18 अप्रैल को सभी जिलों में बारिश का पूर्वानुमान है। इसे लेकर पटना समेत 18 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 20 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 19 अप्रैल को 17 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि, इसके बाद मौसम साफ होने की उम्मीद है।2024 में बिहार में मानसून 20 जून को दस्तक दिया था। इस बार भी मानसून के समय पर पहुंचने की संभावना है, हालांकि इसकी पुष्टि आने वाले सप्ताहों में मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से की जाएगी।बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2022-23 में राज्य में बिजली और आंधी-तूफान से 400 मौतें हुईं। इस साल तो पिछले एक सप्ताह में ही आकाशीय बिजली से 61 लोगों की मौत हो चुकी है। हाल के वर्षों से बिहार के लिए आकाशीय बिजली और आंधी बड़ी चुनौती बनी है।

अवैध कॉलोनियों में निर्माण ढहाए

फरीदाबाद, (एजेंसी)। डीटीपी इन्फोर्समेंट विभाग की ओर से गांव सुनपेड़ और मलेरना के पास अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी तोड़फोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान 14 एकड़ भूमि पर फैली तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया।डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी राहुल सिंगला को काफी दिनों से गांव सुनपेड और मलेरना के पास अवैध रूप से कॉलोनी बसाने की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार तोड़फोड़ के लिए एक टीम गठित की गई। इसमें पुलिस की भी मदद ली गई, जिससे की तोड़फोड़ कार्रवाई के दौरान लोगों के विरोध से निपटा जा सके। कार्रवाई के दौरान डीटीपी की टीम ने तीन अवैध संरचनाएं, 55 डीपीसी, 3 बाउंड्री वॉल और अवैध रूप से बनाई गए सड़क नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया।टीम ने स्पष्ट किया कि ये कॉलोनियां बिना किसी वैध अनुमति या लाइसेंस के विकसित की जा रही थीं। इससे पहले भी क्षेत्रों में लोगों को चेतावनी दी गई थी, लेकिन निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया, जिससे विभाग को यह कार्रवाई करनी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि ऐसी अवैध कॉलोनियों से न केवल सरकारी जमीन पर अतिक्रमण होता है, बल्कि लोगों को भी भविष्य में कानूनी और बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे केवल उन्हीं कॉलोनियों या प्लॉट्स में निवेश करें, जो सरकार से मान्यता प्राप्त हों और वैध लाइसेंसधारी हों। साथ ही, किसी भी अवैध कॉलोनी की जानकारी होने पर प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया गया है।

नगर निगम ने नालों से अतिक्रमण हटाया

फरीदाबाद, (एजेंसी)। नगर निगम की ओर से गांव लकड़पुर, दयालबाग में नालों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। काफी समय से नालों पर लोगों ने सीमेंटेड स्लैब डालकर कब्जा कर रखा था, जिससे नालों की सफाई प्रभावित हो रही थी। नगर निगम ने मंगलवार को दो जेसीबी मशीनों की सहायता से नालों पर डाले गए सीमेंटेड स्लैबों को तोड़कर हटाया। इस कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। नगर निगम एसडीओ सुरेंद्र हुडा ने बताया कि अतिक्रमण के कारण नालों की नियमित सफाई बाधित हो रही थी। निगम की ओर से दुकानदारों और स्थानीय लोगों को चेतावनी दी गई है कि यदि दोबारा किसी ने नालों पर कब्जा करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने लोगों से अपील की है कि वे सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध निर्माण से बचें और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

ऑटो कंपनी से 15 हजार किलो कच्चा सामान गायब

पलवल, (एजेंसी)।पलवल में विक्टोरिया ऑटो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से 15 हजार 115 किलोग्राम स्टेनलेस स्टील का कच्चा माल चोरी हो गया। कंपनी के एचआर ने पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। कंपनी के एचआर मोहित फुलारा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि धतीर गांव के पास स्थित कंपनी में 8 अप्रैल को माल का वजन किया गया। इस दौरान कुल वजन में 15 हजार 115 किलोग्राम की कमी पाई गई। एचआर ने कंपनी के 8 कर्मचारियों पर चोरी का शक जताया है। इनमें संदीप, जसवंत, वेद, धीरज, महेश, लक्ष्मण, धनराज और जनार्दन शामिल हैं। सभी आरोपी कंपनी में नौकरी करते हैं। कंपनी ने पुलिस को आरोपियों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध करा दिए हैं।थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि शिकायत के आधार पर 8 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। कंपनी में लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही हैं। इससे यह पता लगाया जाएगा कि आरोपी कच्चे माल को किस तरह से ले गए। फिलहाल मामले की जांच में लगी हुई है, पुलिस टीम ने कंपनी में जाकर मौका मुआयना किया। पुलिस का कहना है कि जांच के तुरंत बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फसल अवशेष जलाने पर किसान पर केस,पटवारी ने जांच रिपोर्ट की तैयार

पलवल, (एजेंसी)। जिले में कृषि विभाग ने फसल अवशेष जलाने के मामले में एक किसान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। हसनपुर थाने में किसान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कृषि विभाग के अधिकारी रमेशचंद ने बताया कि जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत फसल अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। 16 अप्रैल को निरीक्षण के दौरान हसनपुर के किसान बोधराज के खेतों में गेहूं के अवशेष जले हुए पाए। एएफएल लोकेशन से भी इसकी पुष्टि हुई।जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत फसल अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। 16 अप्रैल को निरीक्षण के दौरान हसनपुर के किसान बोधराज के खेतों में गेहूं के अवशेष जले हुए पाए। एएफएल लोकेशन से भी इसकी पुष्टि हुई। किसान ने अपने डेढ़ एकड़ खेत में फसल अवशेष जलाकर कई कानूनों का उल्लंघन किया है। इनमें पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15, भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223, 280 और वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 शामिल हैं। थाना प्रभारी मलखान सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि हलका पटवारी सुधीर कुमार और कृषि अधिकारी रमेशचंद की जांच रिपोर्ट के आधार पर हसनपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

टेलीग्राम टास्क देकर ठगी मामले में खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद, (एजेंसी)। टेलीग्राम टास्क देकर ठगी करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने खाताधारक गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि सुभाष कॉलोनी, बल्लबगढ़ निवासी महिला ने साइबर थाना बल्लबगढ में शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि उसके पास व्हाट्सएप पर घर बैठे पैसे कमाने के लिए मैसेज आया। जिस पर महिला ने काम करने की इच्छा जताई, फिर ठगों द्वारा महिला को टेलिग्राम ग्रुप में जोडा गया। उसको बताया गया कि होटलों की रेटिंग करनी है जिसके बदले उसको पैसे दिए जायेगें। पहले टास्क के बदले 203 रूपये उसके खाता में डाले गये और आगे के टास्क के लिए उससे पैसे की मांग की। लालच में आकर महिला ने टास्क के लिए ठगों के पास अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल छह लाख 82 हजार 2/-रू भेजे। जब शिकायतकर्ता ने पैसे देने के लिए बोला तो ठगों द्वारा 50,000/-रू की और मांग की गई, जिसके लिए महिला ने मना कर दिया। जिसकी शिकायत पर थाना साइबर बल्लबगढ़ में संबंधित धाराओ में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना बल्लबगढ की टीम ने आरोपी कमल वासी गाँव कुलाना, झज्जर, हरियाणा को झज्जर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कमल खाताधारक है और ड्राइवर का काम करता है, इसी दौरान इसकी मुलाकात ठगों से हुई थी और उसने अपना खाता उनको दिया था। उसके खाता में मामले से जुडे हुए 25,000/-रू आये हैं। आरोपित को शुक्रवार अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

नूंह कोर्ट के स्टेनोग्राफर से मारपीट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, (एजेंसी)। नूंह कोर्ट में तैनात स्टेनोग्राफर के साथ रोडरेज के दौरान मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस चौकी सेक्टर-11 की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार विजय कुमार निवासी सैक्टर-10 फरीदाबाद ने पुलिस चौकी सेक्टर-11 में दी अपनी शिकायत बताया कि नूँहू कोर्ट में स्टेनोग्राफर तैनात है, 15 अप्रैल को जब वह डयुटी से घर वापिस आ रहा था तो एक स्कॉर्पियो गाडी वाले ने उसकी कार को टक्कर मारी। जिसमें तीन लडके बैठे थे, जब वह उनसे बात करने गया तो उन लडको ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी।

विपक्षी दल भी चुपके-चुपके घर बैठकर प्रधानमंत्री की नीतियों की कर रहे तारीफ - मुख्यमंत्री सैनी

नई दिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने धर्म और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वंश न्यौछावर कर दिया। उन्होंने नागरिकों से श्री गुरु तेग बहादुर जी के आदर्शों, शिक्षाओं और वाणी को अपने जीवन में धारण करने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके बलिदान और त्याग की भावना को हमेशा अपने जहन में याद रखें। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को गांव बीड मथाना में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व पर श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गांव बीड मथाना के प्रवेश पर श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बीड मथाना द्वारा बनवाए गए श्री गुरु तेग बहादुर द्वार का उदघाटन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को माथा टेका और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए अरदास की। इस प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा सिंह सभा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरपाल सिंह और गुलजार सिंह ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को सरोपा, स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की।

गुरुओं की वाणी और इतिहास को संजोने के लिए कुरुक्षेत्र में बनाया जायेगा भव्य संग्रहालय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई देते हुए कहा कि पूरे विश्व में श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व वार दिया। आज हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं, आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

इस पावन पर्व पर बीड मथाना में श्री गुरु तेग बहादुर जी की यादों को हमेशा अमिट रखने के लिए प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी कुरुक्षेत्र से इसी मार्ग से होते हुए लौहगढ़ पहुंचे थे। सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के साथ-साथ सभी गुरुओं की वाणी और इतिहास को संजोने के लिए कुरुक्षेत्र में भव्य और सुंदर संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पानीपत की धरा पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व मनाया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने लाल किला नई दिल्ली पर प्रकाश पर्व मनाया था। यह सरकार गुरुओं की वाणी और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस सरकार ने सिरसा में जहां गुरु नानक देव जी ने 40 दिन रहकर तपस्या की और समाज को शिक्षाएं दी, उसी जगह चिल्ला साहिब गुरुद्वारा के नाम सारी जमीन करवाने का काम किया, बाबा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कुरुक्षेत्र में द्वार का निर्माण किया और उस मार्ग का नाम भी बाबा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर रखा गया।

नशामुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर हर माह कार्रवाई करें अधिकारी- डीसी

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने एनकोर्ड की 10वीं राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों के साथ एनकोर्ड की 10वीं राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के नेटवर्क को तोडने के लिए एक समन्वित और कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक लेते हुए उन्हें निर्देश दिए कि वीसी के दौरान जो दिशा-निर्देश मिले हैं। उसकी अनुपालना के तहत इस विषय के तहत कार्यों में तीव्रता लाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक लक्ष्य नशे की बुराई को जड़ से खत्म करना है, और इसके लिए सभी विभागों को समन्वयित प्रयास करने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित एसडीएम हर माह उनके क्षेत्रों में स्थापित एक-एक नशामुक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट निर्धारित प्राफार्मा में भेजकर उसे पोर्टल पर भी अपलोड करवाना सुनिश्चित करवाएं। उपायुक्त ने नकली और अवैध दवाइयों की बिक्री पर भी सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं की हर गतिविधि और उनके परिवहन को बारीकी से ट्रैक किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि जिले के सभी मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरे की स्थापना की जांच की जाए। जहां कैमरे नहीं लगे हैं, वहां संचालकों को नोटिस जारी किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने पर विधिक कार्रवाई की जाए। डीसी ने यह भी कहा कि नशा करने वाले और नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों की गहन निगरानी की जाए और उनके विरुद्ध आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों के समस्त नशा पुनर्वास केंद्रों का औचक निरीक्षण करें और आवश्यक सुधारों के लिए सुझाव भी दें।

फर्जी कंपनी कर्मचारी बन 53 लाख ठगे, महिला समेत दो गिरफ्तार

पलवल। जिले में धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए सीआईए पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने उत्तराखंड की एक कंपनी के फर्जी कर्मचारी बनकर 53 लाख 65 हजार रुपए का माल हड़प लिया। मामला सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजी लिमिटेड का है। आरोपी प्रिया शर्मा ने 21 जनवरी को कंपनी के मार्केटिंग विभाग को मेल भेजा। उसने खुद को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर स्थित बेल राइज इंडस्ट्रीज की कर्मचारी बताया।

मिली जानकारी के अनुसार प्रिया ने 24 जनवरी को पहला ऑर्डर दिया। कंपनी को फर्जी पैन कार्ड और जीएसटी दस्तावेज भेजे। 4 फरवरी को आरआर लॉजिस्टिक के ट्रक में 32.87 लाख का माल भेजा गया। इस दौरान कुणाल शर्मा ने खुद को बेल राइज कंपनी का परचेज हेड बताया। उसने कंपनी के बाहर गोदाम में माल उतरवा लिया। इसके बाद दूसरा ऑर्डर दिया गया। कंपनी ने पहले माल का भुगतान मांगा।

आरोपियों ने चेक की फोटो भेजकर टाल दिया। 14 फरवरी को 20.77 लाख का दूसरा माल भी भेज दिया गया। इसे भी कंपनी के बाहर ही उतारा गया। भुगतान मांगने पर आरोपी टालते रहे और फिर मोबाइल बंद कर लिया। सीआईए पलवल प्रभारी दीपक गुलिया ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि एक आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। अब महिला समेत दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। 19 फरवरी को उसका फोन बंद हो गया। कंपनी अधिकारियों ने ट्रक ड्राइवरों से पूछताछ की, तो उन्होंने कंपनी से बाहर माल खाली करने की जानकारी दी, जबकि उन्हें कंपनी में माल खाली करना चाहिए था।

अधिकारियों ने बेल राइज कंपनी में जाकर जांच की तो पता चला कि कुणाल शर्मा व प्रिया शर्मा उनके कर्मचारी ही नहीं है। जिससे उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। गदपुरी थाना पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। जिस पर कार्यवाही करते हुए सीआईए पलवल की टीम ने 30 जनवरी 2025 को वारदात में शामिल रूद्रपुर (उत्तराखंड) के गुरप्रीत उर्फ संटी को गिरफ्तार कर उस वारदात में प्रयुक्त कलर प्रिंटर, सीपीयू व एलईडी बरामद कर उसे जेल भेज दिया। जिसके बाद टीम अन्य आरोपियों की तलाश में जुट गई। सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया ने बताया कि टीम ने वारदात में शामिल एनआईटी (फरीदाबाद) के अनूप उर्फ गगन व नेहरू कॉलोनी की महिला रणजीत कौर उर्फ रानों को गिरफ्तार किया है। जिन्हें पूछताछ व माल बरामद करने के लिए कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

बच्चे की मौत के बाद प्रशासन ने प्ले स्कूल कराया बंद

फरीदाबाद। फरीदाबाद के आर्मी पब्लिक प्ले एवं क्रैच स्कूल में डेढ़ साल के बच्चे की मौत के बाद उक्त प्ले स्कूल को प्रशासन ने बंद करा दिया है। शुक्रवार को मौके पर पहुंची एसडीएम शिखा आंतिल ने पल्ला थाना प्रभारी रणवीर को स्कूल संचालक के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए है। स्कूल के प्रशासन की तरफ से सील कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाही की जा रही है। गौरतलब है कि फरीदाबाद के पल्ला इलाके में 50 गज के मकान में आर्मी पब्लिक प्ले एवं क्रैच स्कूल बनाया गया है।

यह मकान 3 मंजिल का बना हुआ है। इस स्कूल में 103 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ मिला है। 50 गज के इस छोटे से मकान में बच्चों को मुर्गी फार्म की तरह रखा जाता था। निरीक्षण के दौरान अधिकतर छोटे बच्चे यहां पर सोते हुए मिले। इस स्कूल में कोई टीचर नही था। केवल बच्चों के लिए एक सेविका को रखा गया था। जो छोटे बच्चों को संभालने का काम करती थी। इस स्कूल में एक अप्रैल को एक डेढ़ साल के एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद गुरुवार को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने इस स्कूल का औचक निरीक्षण किया।

सफाई एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य - कृष्णपाल गुर्जर

केंद्रीय राज्य मंत्री ने डॉ भीम राव आंबेडकर के जन्मोत्सव से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा में निभाई सहभागिता

फरीदाबाद। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज शुक्रवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभाते हुए सेक्टर-28 की मार्किट में स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई की शुरुआत की।

उन्होंने सडक़ पर फैली गंदगी को एकत्र कर रिक्शा के माध्यम से कचरा स्थानांतरण केंद्र तक भिजवाया, जिससे उन्होंने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देशभर में डॉ. अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई जा रही है। जहां उन्हें संविधान निर्माता के रूप में पहचाना जाता है, वहीं यह जानना जरूरी है कि वे स्वच्छता के भी सशक्त प्रवक्ता थे।

उनका मानना था कि सफाई केवल शरीर या वातावरण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सामाजिक सोच और व्यवस्था की भी शुद्धता आवश्यक है। उन्होंने यह महसूस किया कि समाज में सफाई का काम एक वर्ग विशेष तक सीमित कर दिया गया है, जो कि एक अन्यायपूर्ण परंपरा है। उनका विचार था कि जब तक स्वच्छता की जिम्मेदारी समान रूप से नहीं निभाई जाएगी, तब तक समाज में बराबरी संभव नहीं।

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने स्वच्छता कर्मियों को समाज की 'रीढ़ की हड्डी' माना और कहा कि जो कार्य सभी के लिए जरूरी है, उसे हेय दृष्टि से देखना एक सामाजिक भूल है। उन्होंने बार-बार ज़ोर दिया कि स्वच्छता एक साझा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है और इसमें हर नागरिक को भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा है कि स्वच्छ भारत अभियान उन्हीं की प्रेरणा से आरंभ हुआ। इस अभियान के तहत रक्तदान शिविर, विचार गोष्ठियों और जनजागरूकता भी आयोजन जारी रहेंगे।

आज जब हम स्वच्छता की बात करते हैं, तो यह ध्यान रखना आवश्यक है कि डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण केवल शारीरिक सफाई तक सीमित नहीं था, बल्कि उनका सपना एक ऐसा समाज था जो समता, न्याय और स्वच्छता के आदर्शों पर आधारित हो। स्वच्छता अभियान के दौरान एनआईटी विधायक सतीश फागना, पार्षद अनिल नागर, सहित एमसीएफ के अधिकारी व कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

बोरिंग कार्य पर विवाद,निगमकर्मियों से की हाथापाई

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद क्षेत्र के ठाकुरवाड़ा में शुक्रवार को बोरिंग करने पहुंची नगर निगम की टीम के साथ कुछ स्थानीय लोगों ने जमकर बदसलूकी की, बल्कि एक युवक मारपीट पर उतारू हो गया। निगम कर्मचारियों को पुलिस को बुलाना पड़ गया, जिसके बाद पुलिस के सामने भी जमकर झगड़ा हुआ। नगर निगम की टीम ठाकुरवाड़ा में पीने के पानी के लिए बोरिंग करने के लिए पहुंची थी। टीम ने जैसे ही बोरिंग का काम शुरू किया तो वहां रहने वाले कुछ स्थानीय लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

कालिंदी कुंज सड़क पर सुबह-शाम लग रहा जाम

फरीदाबाद, (एजेंसी)।

स्मार्ट सिटी के लोगों को दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद आदि शहरों में जाना आसान नहीं है। उन्हें दिल्ली-नोएडा के कालिंदी कुंज में घंटों जाम का सामना करना पड़ता है। इससे आमजन के साथ उद्यमी भी परेशान हैं। फरीदाबाद के उद्यमियों का कहना है कि डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे से उन्हें राजस्थान, मुंबई-बडोदरा आदि दूर-दराज के शहरों में जाना तो आसान बन रहा है। लेकिन दिल्ली-एनसीआर उनसे दूर हो रही है।

लधु उद्योग भारती के पदाधिकारियों का कहना है कि फरीदाबाद को औद्योगिक नगरी के रूप में जाना जाता है। यहां स्थित 30 हजार से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में आठ लाख से अधिक कामगार कार्यरत हैं। इनमें से अधिकांश नोएडा,ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली के ओखला आदि क्षेत्रों से काम के सिलसिले में रोजाना फरीदाबाद पहुंचते हैं। इसके अलावा फरीदाबाद स्थित उद्योगों का दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र ओखला, वजीरपुर, शकूरबस्ती, पुरानी दिल्ली, पंजाबी बाग के अलावा नोएडा के एसईजेड, फेस-दो, सेक्टर-एक, दो,तीन, चार, पांच, सेक्ट-11,12, सेक्टर-62, ग्रेटर नोएडा आदि क्षेत्र में स्थित कंपनी-फैक्टरी से रोजाना लेनदेन होता है। इसके अलावा फरीदाबाद के उद्यमी गाजियाबाद, मेरठ आदि शहरों के उद्योगों से रोजाना कारोबार करते हैं। ऐसे में उनका कहना है कि दिल्ली-नोएडा के कालिंदी कुंज पर रोजाना लग रहे जाम से उनकी दिक्कतें बढ़ गई है। कच्चे-तैयार माल लेकर जा रहे वाहन जाम में घंटों फंसे रहते हैं। साथ ही उद्योगों के कर्मचारियों को भी लेनदेने के सिलसिले में आवागमन के दौरान जाम का सामना करना पड़ रहा है। इससे उनकी दिक्कतें बढ़ रही है और नुकसान का डर सता रहा है।

कालिंदी कुंज है मुख्य मार्ग

शहर के स्थानीय लोगों का कहना है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जेवर,गाजियाबाद के अलावा दिल्ली के ओखला, गोबिंदपुरी, सरिता विहार आदि क्षेत्रों के लिए कालिंदी कुंज चौराहा मुख्य मार्ग है। इस चौराहे को पार कर फरीदाबाद के अधिकांश क्षेत्रों के लोग, दिल्ली के जैतपुर, मीठापुर, सौरभ विहार, बदरपुर बार्डर, तुगलकाबाद, संगम विहार, खानपुर, आली गांव, मदनपुर खादर, खड्डा कॉलोनी, सरिता विहार आदि क्षेत्रों के लोग नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जेवर, गाजियाबाद, मेरठ आदि की ओर जाते हैं। इसके अलावा कालिंदी कुंज से होकर यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा एक्सप्रेसवे पर आसानी से पहुंचते हैं। लेकिन जान ने इस मार्ग पर चलने वाले वाहन चालकों की दिक्कतें बढ़ा दी है।

उद्यमी के अलावा इनकी भी बढ़ी दिक्कत

फरीदाबाद के स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के उद्यमियों के अलावा अधिकांश आमजनों का भी नोएडा-ग्रेटर नोएडा रोजाना आना-जाना रहता है। अनुमान के मुताबिक फरीदाबाद से 50 हजार से अधिक लोग अपने निजी वाहन से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की ओर जाते हैं। लेकिन कालिंदी कुंज पर लग रहे जाम से इनकी भी परेशानी बढ़ गई है।

> हमारे लिए जयपुर, मुंबई,बडोदड़ा जाना आसान हो गया है। लेकिन दिल्ली एनसीआर के शहरों में कारोबार के लिए आवागमन करने में काफी दिक्कतें होती है। कालिंदी कुंज के अलावा अधिकांश सड़कों पर घंटों जाम रहता है। इसका असर दिल्ली एनसीआर में किए जा रहे कारोबार पर पड़ रहा है। इससे नुकसान का भी डर रहता है।
> **रवि भूषण खत्री, लधु उद्योग भारती प्रभारी, फरीदाबाद-पलवल**

जाम का यह है कारण

स्थानीय लोगों का कहना है कि कालिंदी कुंज पर जाम लगने का मुख्य कारण एमसीडी टोल का बूथ है। इसके अलावा नोएडा और दिल्ली की ओर काफी संख्या में ई-रिक्शा, ऑटो आदि खड़े रहते हैं। वह सवारी के इंतजार में जहां-तहां खड़े रहते हैं। साथ ही दिल्ली में नो-एंट्री के चलते भारी मालवाहक वाहन भी यमुना पर बने पुल पर किनारे घंटों खड़े रहते हैं। यमुना पुल पर दिल्ली की ओर काफी संख्या में रेहड़ी-पटरी लगाकर दुकानें लगाई जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वजह से कालिंदी कुंज पर वाहन चालकों को रोजाना लंबे जाम का सामना करना पड़ता है।

गुरुग्राम जाना भी हुआ मुश्किल

स्थानीय लोग व उद्यमियों ने बताया कि फरीबाद के लोगों व उद्यमियों को नोएडा, ग्रेटर नोएडा या दिल्ली जाने में ही जाम व अन्य दिक्कत नहीं हो रही, यहां के लोगों को गुरुग्राम जाने में भी जगह-जगह परेशानी उठानी पड़ रही है। एनआईटी औद्योगिक क्षेत्र में जगह-जगह लग रहे जाम के अलावा फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग स्थित बंधवाड़ी टोल के पास रोजाना लग रहे जाम से वाहन चालक परेशान हैं। इसके अलावा सड़क की जर्जर हालत और निर्धारित गति से अधिक रफ्तार में दौड़ रहे वाहनों से हादसे की आशंका बनी रहती है।

यहां-यहां जाम का करना पड़ रहा सामाना

स्थानीय लोगों के अनुसार दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद गुरुग्राम, पलवल आदि दिल्ली एनसीआर के शहरों में पहुंचने से पहले लोगों को मार्ग पर जगह-जगह जाम का सामना करना पड़ रहा है। एनआईट के लोगों को दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर पहुंचने से पहले हार्डवेयर चौक, बीके चौक, नीलम रेलवे ओवर ब्रिज, बाटा रेलवे ओवर ब्रिज, फरीदाबाद रेलवे रोड, ओल्ड फरीदाबाद चौराहा, बड़खल चौराहा आदि स्थानों पर जाम का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सूरजकुंड मार्ग पर अनंगपुर, बड़खल, चार्म्सवुड आदि स्थानों पर जाम में लोग घंटों जूझते रहते हैं।

61 साल की उम्र में पहली बार विवाह करेंगे भाजपा नेता दिलीप घोष

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया।

कौन हैं घोष की दुल्हनिया

रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है।

विदेशी महिला को छेड़ने के मामले में जेएनयू के प्रोफेसर बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएनयू यानी जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ने एक प्रोफेसर को विदेशी महिला से छेड़छाड़ के मामले में बर्खास्त कर दिया है। आरोपी प्रोफेसर सेंटर फॉर इंटरनैशनल स्टडीज के सेंटर फॉर इंटरनैशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गनाइजेशन एंड डिसआर्मामेंट में कार्यरत था। उनके खिलाफ भारतीय दूतावास से शिकायत भेजी गई थी। जेएनयू की वाइस चांसलर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा कि यह निर्णय दर्शाता है कि भष्ट्राचार और शारीरिक शोषण के खिलाफ जेएनयू में जीरो टॉलरेंस नीति है। पहली बार स्टूडेंट्स को आईसीसी में प्रतिनिधित्व दिया गया। यह कदम जेएनयू की लोकतांत्रिक संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में एक कदम है। जानकारी के अनुसार लंबी जांच के बाद यूनिवर्सिटी की कार्यकारी परिषद ने उनकी बर्खास्तगी की सिफारिश की है। बुधवार को हुई बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया। दूसरी ओर भ्रष्टाचार के मामले में एक प्रोफेसर और दो सेक्शन अफसरों पर भी कार्रवाई हुई है। जेएनयू के अनुसार कुछ महीने पहले एक बैठक में शामिल होने के लिए जापानी स्कॉलर आई थी। आरोप है कि इसी बैठक में प्रोफेसर ने स्कॉलर से छेड़छाड़ की। इसके बाद जापानी स्कॉलर अपने देश लौट गई और वहां उसने शिकायत दर्ज करवाई। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जापानी दूतावास ने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय को इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने शिक्षा मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू को जांच के आदेश दिए। जेएनयू ने इंटरनल कंप्लेंट कमिटी (आईसीसी) ने इस मामले की जांच की।

हिमाचल प्रदेश में तूफान से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं...रातभर गुल रही बिजली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को तूफान ने तबाही मचा दी है। 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चले तूफान से कई घरों की छत्ते उड़ गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए। तूफान से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई। इससे आंधी रात को आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राजधानी शिमला शहर सहित कांगड़ा, बड़सर, सुजानपुर, ऊना और चंबा के सैकड़ों गांव व घर बीती रात से सुबह 10 बजे तक अंधेरे में डूबे रहे। कई ग्रामीण इलाकों में दोपहर 12 बजे भी बिजली नहीं आई। शिमला के ठियोग, मंडी के सराज, आनी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन में कई घरों की छत उड़ गई। प्रदेश में जगह जगह तूफान के बाद पेड़ जड़ से ही उखड़ गए। इससे कई सड़कें भी यातायात के लिए बंद हो गई। प्रदेश में तूफान से काफी नुकसान हुआ है। इससे मैदानी इलाकों में गेहूं फसल भी तबाह हुई है। शिमला, कुल्लू, चंबा जिला में सेब की फसल को नुकसान हुआ है। इन जिलों में सेब के पौधे जड़ से ही उखड़ गए।

अगले 4 दिन बारिश-ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस अगले 4 दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 और 19 अप्रैल को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और लाहौल स्पीति जिला में कुछेक स्थानों पर भारी बारिश व ओलावृष्टि हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान चलने की भी चेतावनी दी गई है।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है। प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में करीब 15 दिनों तक लू की आशंका है। यह देखकर कांग्रेस सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। तेलंगाना

रॉ के पूर्व चीफ नई किताब पर महबूबा ने दी प्रतिक्रिया, उमर हुए आग बबूला

बोले-क्या दुलत की पिछली किताब में लिखी गई बातें भी सच हैं?

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व चीफ एएस दुलत फिर चर्चा में आ गए हैं। उनकी नई किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस किताब में दुलत ने फारूक अब्दुल्ला को लेकर बड़ा दावा किया है जिस पर महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी जिस पर जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भड़क गए। उमर ने दो टूक कह कहा कि इस तरह तो क्या दुलत की पिछली किताब में महबूबा के पिता के बारे में लिखी गई बातें भी सच हैं?

उमर अब्दुल्ला ने यह नहीं बताया कि एएस दुलत ने अपनी पिछली किताब में महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के बारे में क्या लिखा था, लेकिन यह साफ है कि उमर यहां दुलत की 2015 में पब्लिश किताब कश्मीर-द वाजपेयी ईयर्स की बात कर रहे हैं। दुलत की यह किताब 1990 के दशक में रॉ के चीफ और आईबी के विशेष निदेशक के तौर पर उनके अनुभवों पर आधारित है। किताब में वाजपेयी सरकार के दौरान कश्मीर में शांति स्थापित करने की कोशिशों, भारत-पाकिस्तान शांति पहल, कश्मीर में भारत सरकार की नीतियों, अलगाववादी आंदोलनों और खुफिया ऑपरेशन को लेकर कई दावे किए गए। इस किताब में दुलत ने दावा किया है कि 2014 के लोकसभा चुनावों में मुफ्ती मोहम्मद सईद ने उनसे कहा था कि पाकिस्तान ने कश्मीर में सभी को अपने प्रभाव में ले लिया है। वे सभी को वित्तीय मदद दे रहे हैं। उन्होंने हमसे भी संपर्क किया है। दुलत ने किताब में दावा किया है कि अलगाववादी नेता सईद अली शाह गिलानी और मुफ्ती मोहम्मद सईद के बीच करीबी रिश्ता था। उनके मुताबिक गिलानी ने मुफ्ती को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) बनाने में मदद की थी। इसके अलावा किताब में 1989 में मुफ्ती सईद की बेटी रुबिया सईद के अपहरण का भी जिक्र है। किताब में कहा गया है कि उस समय मुफ्ती सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे और जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट ने रुबिया का अपहरण कर लिया था और उसे छोड़ने के बदले पांच आतंकियों की रिहाई की मांग की थी। दुलत ने किताब में दावा किया है कि उस समय फारूक अब्दुल्ला ने इसका विरोध किया था लेकिन चूंकि सईद केंद्र सरकार में गृहमंत्री थे ने आतंकियों को रिहा कर दिया था। यह फैसला कश्मीर में आतंक को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ।पूर्व रॉ चीफ दुलत ने अपनी नई किताब में दावा किया है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने 2019 में धारा 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को निजी तौर पर समर्थन किया था, जबकि सार्वजनिक रूप से उन्होंने इसे कश्मीर के साथ धोखा बताया था। किताब के मुताबिक फारूक ने दुलत से कहा था कि हम मदद कर सकते थे, लेकिन हमें यकीन में क्यों नहीं लिया गया? दुलत ने अपनी किताब में यह भी दावा किया कि फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने 370 हटाने से कुछ दिन पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी, लेकिन क्या बात हुई इस बारे में किसी को जानकारी नहीं है। इस पर फारूक ने कहा था कि 370 के हटाए जाने से पहले वह, उमर और सांसद हसनैन मसूदी, पीएम मोदी से मिले थे और कश्मीर घाटी में बढ़ती फौज की तैनाती पर सवाल पूछा था, लेकिन पीएम मोदी ने कोई जवाब नहीं दिया था। अगर उन्हें 370 के बारे में जानकारी होती, तो वे उसी वक्त अलार्म बजा देते। इस पर महबूबा मुफ्ती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

दिल्ली की गर्मी से परेशान आतंकी राणा, एनआईए अधिकारियों से पूछा कितनी होगी सजा

नई दिल्ली ।26/11 मुंबई अटैक के मास्टरमाइंड में से एक आंतकी तहव्वुर हुसैन राणा एनआईए पूछताछ के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में चितिंत है। आंतकी राणा अधिकारियों से यूएपीए सहित उसके उपर लगी अन्य तमाम धाराओं के बारे में पूछा है कि इसमें अधिकतम सजा कितनी हो सकती है। आंतकी को बताया गया कि उसके खिलाफ आईपीसी और यूएपीए की कई धाराओं में मामला दर्ज है। अगर उसके उपर दोष सिद्ध होते हैं, तब आंतकी राणा को उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा हो सकती है। 10 अप्रैल को भारत लाए गए राणा के मामले में सूत्रों ने बताया कि वैसे एनआईए की पूछताछ में अभी तक उसने कोई टॉर्चर करने या अन्य किसी तरह की कोई शिकायत नहीं की है। लेकिन राणा ने दिल्ली की गर्मी से परेशान होने वाली बात जरूर की है। आंतकी राणा ने एनआईए को बताया कि यहां गर्मी अधिक है। हालांकि आंतकी राणा को सेंट्रलाइड एसी बिल्डिंग में रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका के मुकाबले यहां गर्मी अधिक लग रही है। सूत्रों ने बताया कि उसने अपनी फैमिली से बात करने की इच्छा जाहिर की है। जिसके जवाब में एनआईए अधिकारियों ने कहा है कि यह बातचीत कोर्ट के माध्यम से हो सकेगी। वह कनाडा में रह रहे अपने छोटे भाई से बात करना चाहता है।

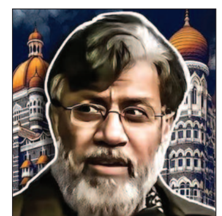

21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे अमेरिका के उपराष्ट्रपति, ताज का करेंगे दीदार

-पीएम मोदी और वेंस की आमेर महल में हो सकती है मुलाकात

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 21 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं वह दो दिन जयपुर में रहेंगे। पिंकसिटी के दौरे में वेंस अपने परिवार के साथ आमेर महल और जंतर-मंतर जैसे हेरिटेज साइट्स का भ्रमण करेंगे। व्हाइट हाउस ने वेंस के जयपुर दौरे की दो दिन पहले पुष्टि की थी। जयपुर के बाद वेंस का आगरा जाने का भी कार्यक्रम है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के के हवाले से बताया गया है कि वेंस के साथ पीएम नरेंद्र मोदी भी जयपुर आ सकते हैं। जेडी वेंस के दौरे को लेकर जयपुर में एक सप्ताह से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। अमेरिकी सेना के भी दो बड़े विमान यहां पहुंचे थे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अमेरिका एयरफोर्स के विमान से 21 अप्रैल को रात 9.30 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद रात 10 बजे होटल रामबाग पैलेस पहुंचेंगे। यहां वह रिसेप्शन में हिस्सा लेंगे। वेंस अपने परिवार के साथ रामबाग पैलेस में ही स्टे करेंगे। मंगलवार सुबह 9 बजे जेडी वेंस अपने परिवार के साथ जयपुर के ऐतिहासिक आमेर महल को देखने पहुंचेंगे। इस दौरान वेंस सुबह 11.30 मिनट करीब ढाई घंटे तक आमेर महल का दीदार करेंगे। इसके बाद वेंस सिटी पैलेस और जंतर-मंतर का विजिट भी कर सकते हैं। दुनिया के टॉप लग्जरी होटल में शुमार रामबाग पैलेस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति का दो दिन स्टे होगा। करीब 190 साल पुरानी यह प्रॉपर्टी जयपुर के पूर्व राजपरिवार से संबंध रखती है। अपने आखिरी दिनों में पूर्व महारानी गायत्री देवी भी रामबाग पैलेस में मौजूद लिलिपूल पैलेस में रहती थीं। सोमवार शाम 5 बजे से मंगलवार दोपहर 12 बजे तक आमेर महल आम सैलानियों के लिए बंद रहेगा। इस दौरान महल में संचालित एलिफेंट राइड भी अस्थायी रूप से बंद रखी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी संभावना जताई जा रही है कि पीएम मोदी भी 22 अप्रैल को जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर फिलहाल आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। इसके बाद 23 अप्रैल को वेंस सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोर्ट से अमेरिकी एयरफोर्स के स्पेशल विमान में आगरा के लिए रवाना होंगे। यहां ताजमहल का दीदार करेंगे।

मौसम का हाल: एक दर्जन राज्यों में बारिश का अलर्ट, तेज आंधी और ओले गिरने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के आधे राज्यों से भीषण गर्मी और लू की खबरें आ रहीं हैं। इसी बीच मौसम विभाग 12 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, दक्षिणी प्रायद्वीप और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में मौसमी गतिविधियों में भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, विभिन्न हिस्सों में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइनों के चलते अगले कुछ दिन मौसम काफी अस्थिर रहने वाला है।

यूपी में एक बार फिर मौसम करवट लेगा। कई जिलों में आंधी रफ्तार देखने को मिलेगी। 18 अप्रैल से तीन दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। पांच जिलों में ओलावृष्टि को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, आजमगढ़ सुल्तानपुर, आंबेडकरनगर, अयोध्या, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी में 40 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। इसके अलावा इन जिलों में तीन दिन तक बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है। पांच जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना

जताई गई है। इसके चलते दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 18 से 23 अप्रैल तक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में भारी वर्षा की संभावना है। बिहार में भी 18 अप्रैल को 50-70 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी है।

दक्षिण भारत की बात करें तो केरल और माहे में अगले 7 दिनों तक बिजली के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। उत्तरी कर्नाटक में तेज तूफान के साथ हवा की रफ्तार 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 18 और 19 अप्रैल को ओलावृष्टि और तेज हवाओं की संभावना है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में 18-19 अप्रैल को धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।राजस्थान के कुछ हिस्सों में 18 अप्रैल को हीटवेव की स्थिति बने रहने की संभावना है। मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में 18 से 21 अप्रैल तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रह सकता है। गुजरात में अगले 3 दिनों में तापमान में गिरावट और फिर धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है।

उत्तराखंड में खराब रहेगा मौसम

उत्तराखंड में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से खराब मौसम को देखते हुए आने वाले तीन दिनों में प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान अधिकारियों को सावधानी बरतने की नसीहत दी गयी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी पत्र के अनुसार भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आगामी 18 से 20 अप्रैल तक खराब मौसम की चेतावनी जारी की गयी है। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ओलावृष्टि, तेज हवाओं के साथ बरसात का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस दौरान तराई से लेकर पहाड़ों में ओलावृष्टि के साथ ही 30 से 70 किमी प्रति घंटा तेज हवाओं के चलने की आशंका व्यक्त की गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसों पर जताई चिंता, पीड़ित को मिले फौरी सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क हादसों के पीड़ितों को तुरंत मदद देने के लिए फौरी प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सड़क हादसों को सार्वजनिक महत्व का गंभीर विषय बताया और चिंता व्यक्त की कि दुर्घटना के शिकार लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाया गया यह अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन कई मामलों में पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती है। याचिकाकर्ता ने छह प्रोटोकॉल सुझाए थे, लेकिन कोर्ट ने इस चरण में कोई अनिवार्य आदेश जारी करने से परहेज किया।

हालांकि, तत्काल कार्रवाई की जरूरत को दोहराया। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छह महीने के अंदर ऐसे प्रोटोकॉल तैयार करने और लागू करने का निर्देश दिया है। संबंधित सरकारों को तय समयसीमा में अपना जवाब रिकॉर्ड पर पेश करना होगा।

सड़क सुरक्षा से जुड़े एक अन्य निर्देश में कोर्ट ने परिवहन वाहनों के चालकों की वर्किंग स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया है। मोटर अधिनियम के अंतर्गत ड्राइवरों के लिए रोज 8 घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम का समय तय है। कोर्ट ने इन प्रावधानों के क्रियान्वयन पर चिंता जताई और कहा कि इनका उल्लंघन भी दुर्घटनाओं का कारण बनता है। इसके समाधान के लिए कोर्ट ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित विभागों के साथ बैठक कर प्रभावी कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि जब तक उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक प्रावधानों पर विचार नहीं किया जाएगा, तब तक इन नियमों का सही क्रियान्वयन नहीं हो सकेगा। राज्य सरकारों को अगस्त के आखिर तक अमल रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपनी होगी। इसके बाद मंत्रालय समग्र रिपोर्ट बनाकर सुप्रीम कोर्ट को प्रस्तुत करेगा।

मराठी राज्य की भाषा है, सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं: राउत

-महाराष्ट्र में स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने को लेकर भड़के यूबीटी सांसद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कर दी है। इस फैसले ने भाषा पर बहस को फिर से हवा दे दी है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसका विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि फडणवीस भाषा की राजनीति करना चाहते हैं। मराठी राज्य की भाषा है। सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं। रोजगार, उद्योग और वाणिज्य में मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए।

राउत ने सीएम फडणवीस पर भाषा का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदी फिल्म उद्योग मुंबई में केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदी गाने गाते हैं और हिंदी फिल्में देखते हैं। फिर भी आप हमें हिंदी थोपने और सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या पूर्वोत्तर जैसे राज्यों को हिंदी की जरूरत है। वहां हिंदी को अनिवार्य बनाएं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मराठी बोली जानी चाहिए।

उन्होंने बीजेपी नेताओं पर मराठी भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राउत ने पूछा कि घाटकोपर की भाषा गुजराती है, यह कहने वाले बीजेपी नेता खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? मराठी को महाराष्ट्र के हर स्कूल में अनिवार्य किया जाना चाहिए, न कि केवल कागजों पर। इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। राउत ने आगे कहा कि हिंदी को पूरे देश में पसंद किया जाता है और बोला जाता है, लेकिन इसे स्कूली पाठ्यक्रम में नहीं थोपा जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को कथित तौर पर थोपे जाने का विवाद फडणवीस सरकार के उस फैसले से उपजा है, जिसमें उसने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाले चरणों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का फैसला किया है। नीति के तहत, सरकार मराठी और अंग्रेजी माध्यम दोनों स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाएगी।

तेजस्वी के सीएम बनने में कांग्रेस नहीं खोल रही पत्ते, लालू का सपना कहीं टूट ना जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी के बीच महागठबंधन में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। तेजस्वी यादव की अगुवाई में गठबंधन ने कोआर्डिनेशन कमेटी बनाई है। सीट बंटवारे को लेकर भी आरजेडी और कांग्रेस में मतभेद हैं। कांग्रेस की रणनीति बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ने की है, जबकि आरजेडी तेजस्वी यादव को सीएम चेहरा बनाना चाहती है। बिहार विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी बढ़ने के साथ-साथ राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल शुरू हो गया है। आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन की एक के बाद एक बैठक हो रही है, लेकिन सीएम चेहरे पर सस्पेंस बना हुआ है। दिल्ली के बाद पटना में हुई बैठक में महागठबंधन को पशुपति पारस के रूप में नया साथ मिल गया है, तो मुकेश सहनी मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। महागठबंधन की पटना में गुरुवार को हुई बैठक में एक कोआर्डिनेशन कमेटी बनाने का फैसला किया। इस कमेटी के अध्यक्ष आरजेडी नेता तेजस्वी यादव होंगे। इस तरह से तेजस्वी यादव 2025 के चुनाव में महागठबंधन में लीड रोल में रहेंगे, लेकिन सीएम पद के चेहरे का सवाल जस का तस बना रहा। कांग्रेस तेजस्वी को सीएम का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ना चाहती, जो उसकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में महागठबंधन की ढाई घंटे तक बैठक चली। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में हुई बैठक में एलजेपी (आर) के प्रमुख पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने का ऐलान किया गया। बैठक में यह तय हुआ कि महागठबंधन में तालमेल बिठाने के लिए एक कोआर्डिनेशन कमेटी गठित की जाएगी, जिसे लीड तेजस्वी यादव करेंगे और इस कमेटी में सभी दलों के सदस्य होंगे। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन एकता और स्पष्टता के साथ चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार की जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा। हालांकि, सीएम चेहरे के सवाल पर अल्लापरु गोल-मोल जवाब देते नजर आए और तेजस्वी के नाम पर मुहर नहीं लगाई। हां एक बात जरूर कही कि तेजस्वी यादव के अगुवाई में महागठबंधन चुनाव लड़ेगी। वहीं, सीएम फेस पर सहमति नहीं बनने के सवाल तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन में कोई चिंता नहीं है। चिंता एनडीए गठबंधन के लोगों को होनी चाहिए। मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर उन्होंने कहा कि एक ही दिन में सब कुछ घोषणा नहीं होगी, थोड़ा इंतजार का मजा लीजिए। इस दौरान उन्होंने यह भी दावा किया कि महागठबंधन के सभी दल एक साथ हैं और जो भी होगा, सब मिलकर साझा करेंगे। सीएम चेहरे पर सस्पेंस बनाए रखने की स्ट्रैटेजी के साथ कांग्रेस बिहार चुनाव लड़ना चाहती है, जिस तरह से 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने किसी को पीएम का चेहरा घोषित नहीं किया था। इस फॉर्मूले पर बिहार चुनाव में उतरने की कवायद है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव कह चुके हैं कि तेजस्वी यादव सीएम का चेहरा होंगे,तो तेजस्वी भी अपने नाम का ऐलान कर चुके हैं। इसके बाद भी कांग्रेस तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ना चाहती। कांग्रेस का तर्क है कि तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा घोषित कर महागठबंधन चुनावी मैदान में उतरी, तो उससे सियासी समीकरण गड़बड़ा सकता है। तेजस्वी के नाम पर यादव को छोड़कर, दलित अन्य पिछड़ी जातियां और सवर्ण समाज का वोट नहीं मिल पाएगा। ये बात राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने सीधे तौर पर दिल्ली बैठक में तेजस्वी यादव को बता दी। हां, ये जरूर आश्वासन दिया कि अगर बिहार में सरकार बनाने का मौका हाथ आता है, तो तेजस्वी यादव को सीएम बनाया जा सकता, लेकिन चुनाव में उनके नाम की घोषणा कर लड़ना जोखिम भरा कदम हो सकता है। महागठबंधन अगर तेजस्वी यादव को आगे कर चुनावी मैदान में उतरी है, तो सवर्ण जाति के वोटों के छिटकने का ज्यादा खतरा कांग्रेस को लग रहा। इसीलिए कांग्रेस बिहार में 2024 के लोकसभा चुनाव वाले फार्मूले पर लड़ने की तैयारी में है। इंडिया गठबंधन ने 2024 में पीएम पद का चेहरा घोषित करके चुनाव नहीं लड़ा था। इंडिया गठबंधन ने एक ज्वाइंट कमेटी जरूर बनाई थी, उसी तर्ज पर बिहार में कोआर्डिनेशन कमेटी बनाई जा रही है। कांग्रेस की रणनीति है

कि बिना सीएम चेहरे के उतरने से किसी समाज के वोट छिटकने का खतरा नहीं होगा। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस तेजस्वी को सीएम चेहरे की बात नहीं कर रही, ऐसे में कांग्रेस ने रणनीति बनाई है कि चुनाव के बाद जो पार्टी सबसे बड़ी बनकर उभरेगी, वही पार्टी नेता तय करेगी, जिस तरह लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। उसी तरह बिहार में महागठबंधन की सत्ता में वापसी होती है और आरजेडी अगर सबसे बड़ी पार्टी बनती है तो तेजस्वी यादव को सीएम बनाया जा सकता है। कांग्रेस के फॉर्मूले पर तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी आरजेडी ने अपनी फाइनल स्वीकृति नहीं दी है, लेकिन तेजस्वी ने जिस तरह से कहा कि महागठबंधन में कन्फ्यूजन नहीं है। इससे जाहिर होता है कि आरजेडी वेट एंड वॉच के मूड में है और कांग्रेस के फार्मूले पर मंथन कर रही है। वहीं, कांग्रेस नेतृत्व सीएम के नाम पर आधिकारिक घोषणा से पहले सभी गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर स्पष्टता जैसी औपचारिकताओं को पूरा कर लेना चाहता है।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है।

करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गई सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साईं पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

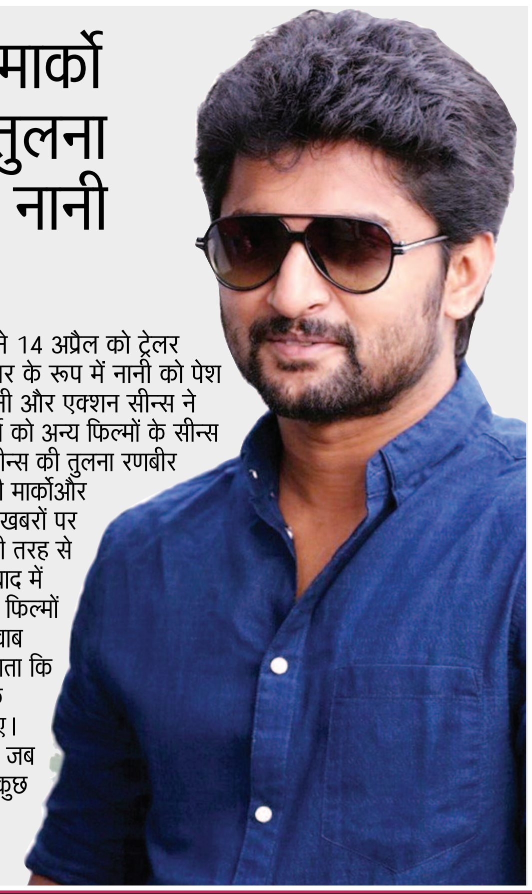

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।